RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 एक नंबर की किताबी कीड़ा...

वर्ष : 27 अंक : 266 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 14 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

असम को पीएम मोदी की बड़ी सौगात

मैं शिव का भक्त, सारा जहर निगल जाता हूं : प्रधानमंत्री

दरांग (असम), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर दौरे का आज दूसरा दिन है। पीएम मोदी ने आज असम में आज 19000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी ने मिजोरम और मणिपुर का दौरा किया था। जहां पर उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। मणिपुर के बाद पीएम मोदी असम पहुंचे जहां पर उन्होंने भारत रत्न भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लिया और भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि अर्पित की। आज प्रधानमंत्री मोदी के असम दौरे का दूसरा दिन है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में भारत रत्न भूपेन हजारिका को याद किया और कहा कि असम का यह महान सपूत पूरे देश का गौरव है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार ने उन्हें भारत रत्न देने का निर्णय लिया था तो कांग्रेस अध्यक्ष ने इस सम्मान को हल्के में लेने वाली टिप्पणी की थी। पीएम ने कहा, 1962 के चीन युद्ध के बाद नेहरू जी ने जो कहा था, उसके घाव आज भी पूर्वोत्तर नहीं भूला है।

दरांग में प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरी असम की यह पहली यात्रा है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से यह ऑपरेशन सफल हुआ। मैं शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल जाता हूं। यहां जन्माष्टमी के अवसर पर आकर एक पवित्र अनुभूति हो रही है। लाल किले से मैंने कहा था कि मुझे चक्रधारी मोहन याद आए, श्रीकृष्ण याद आए और उसी भाव से भविष्य की सुरक्षा नीति में सुदर्शन चक्र का विचार रखा गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्मपुत्र नदी पर कुरुवा-नरेंगी पुल की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के संपर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री का सम्मान किया गया। मंच पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

गुवाहाटी रिंग रोड प्रोजेक्ट का शिलान्यास

पीएम मोदी ने असम में कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने गुवाहाटी रिंग रोड प्रोजेक्ट, दरांग मेडिकल कॉलेज समेत कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। बता दें कि आज प्रधानमंत्री 18 हजार पांच सौ तीस करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्याल किया।

नोएडा डिपो से गांवों के लिए चलेंगी 10 मिनी बसें

नोएडा(चेतना मंच)। नोएडा के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी राहतभरी खबर सामने आई है। नवरात्र के अवसर पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा नोएडा डिपो से ग्रामीण रूटों पर 10 मिनी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। ये बसें 40 से अधिक गांवों को नोएडा और ग्रेटर नोएडा शहर से जोड़ेंगी, जिससे ग्रामीण आबादी को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।

गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि मुख्यालय से 10 नई डीजल चालित यूरो-6 मिनी बसें प्राप्त हुई हैं। ये बसें पर्यावरण मानकों के अनुरूप हैं और इनमें 44 सीटें हैं।

क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि बसें शुरू करने से पहले ग्रामीण रूटों का व्यापक सर्वेक्षण कराया गया।

जिसमें सड़कों की स्थिति, बसों की टर्निंग क्षमता, संभावित यात्री संख्या और राजस्व जैसे बिंदु शामिल थे।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने यह भी कहा कि ड्राइवरों और कंडक्टरों को यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करने और महिलाओं व बुजुर्गों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

परिवहन विभाग द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के आधार पर बसों का संचालन तय किया गया है। गाजियाबाद परिवहन कार्यालय में अगले सप्ताह इन बसों के परमिट की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें करीब 8 से 10 दिन लग सकते हैं। परमिट मिलते ही बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

किसानों का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में अब तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं थी, जिससे लोगों को निजी वाहन, टैक्सी, कैब और बाइक जैसी महंगी सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। अब इन बसों के चलने से छात्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को काफी राहत मिलेगी।

बस रूट में नोएडा से ग्रेटर नोएडा होते हुए रबूपुरा, झांझर, जेवर, बिलासपुर, तकीपुर, अनवरपुर, दादरी, महावर, देहरा, छायसा आदि गांव शामिल हैं।

मिनी बसें नोएडा-ग्रेटर नोएडा परी चौक-रबूपुरा-झांझर-रणहेड़ा, नोएडा-ग्रेटर नोएडा-जेवर कट-जहांगीरपुर-लौदाना, नोएडा-ग्रेटर नोएडा-परी चौक-नहर-बिलासपुर-दनकौर-झाझार, नोएडा-ग्रेटर नोएडा परीचौक-जेवर-हामिदपुर-झुप्पा, नोएडा-परीचौक-रबूपुरा-तीर्थली-करौली-गोविंदगढ़-कोठारा-झुप्पा, नोएडा-खेड़ामोड़-तकीपुर-अनवरपुर-सुहेड़ी-मोहद्दीनपुर, नोएडा-सूरजपुर-दादरी-महावर, नोएडा-सूरजपुर-दादरी-कलौंदा, नोएडा-देहरा-झाल और नोएडा-छायसा तक ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

पनीर से लदी गाड़ी पकड़े जाने के बाद बड़ा हंगामा

पुलिस ने 11 क्विंटल पनीर को नकली बताकर किया नष्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर से दिल्ली जा रही पनीर से लदी गाड़ी पकड़े जाने के बाद बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार फूड इंस्पेक्टर की टीम ने जांच के दौरान करीब 11 क्विंटल पनीर को खराब बताते हुए नष्ट कर दिया। इस पर व्यापारी और स्थानीय लोग भड़क उठे।

व्यापारियों का आरोप था कि अधिकारियों ने रिश्वत न देने पर पनीर को बर्बाद कराया। उनका कहना था कि पनीर असली और सही था, लेकिन जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर भी पक्षपात और दबाव बनाने के आरोप लगे।

मामला बढ़ने पर शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पहुंचकर धरना दिया। उनका कहना था कि पनीर की बर्बादी से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है और यह कार्रवाई गलत तरीके से की गई है।

विवाद बढ़ने पर उच्चाधिकारियों ने जांच बैठा दी। इसमें लापरवाही और दुर्व्यवहार के आरोप में दो दारोगा व एक लाइन हाजिर कर दिए गए, जबकि तीन अन्य पुलिसकर्मियों का तत्काल तबादला कर दिया गया। कुल छह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है।

गोल्फ कोर्स निर्माण को नई कंपनी चयन की प्रक्रिया शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-151 ए में निर्माणाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स को पूरा करने की दिशा में एक बार फिर से नोएडा प्राधिकरण ने कदम बढ़ा दिया है। बचे हुए 40 करोड़ रुपये के कार्य को पूरा कराने के लिए नई कंपनी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसकी सैद्धांतिक स्वीकृति प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम ने वर्क सर्किल दस को दी है। इसके बाद टेंडर जारी करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है।

बता दें कि प्राधिकरण ने अंतरराष्ट्रीय गोल्फ कोर्स के निर्माण के लिए एक जुलाई 2021 को कंपनी कश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया था। इसका काम 30 जून 2022 तक पूरा होना था, लेकिन कार्यस्थल पर कई बाधाओं के कारण समय-समय पर सक्षम स्तर से निर्माण कार्य पूरा करने के लिए टाइम एक्सटेंशन दिया गया।

40 करोड़ से पूरा होगा शेष काम

30 जून 2025 तक काम पूरा करने की नई डेड लाइन तय की गई थी। इस तिथियों भी निर्माण कार्य पूरा नहीं किया जा सका। 18 नवंबर 2024 और 24 जून 2025 कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुबंध शर्तों का उल्लंघन करने के एवज में जमा की गई धरोहर राशि को जब्त कर दो साल के लिए कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया। अबतक इसका 68 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 38 करोड़ का काम अभी बचा है। इसे पूरा करने के लिए नई कंपनी को काम अवार्ड किया जाएगा। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो चुकी है। इसमें सिविल कार्य में करीब 81 करोड़, इंटीरियर से लेकर उद्यान का काम होना है। योजना का कुल एरिया करीब 113.87 एकड़ है।

गोल्फ कोर्स परियोजना की स्थिति

- 113 एकड़ में बन रहा गोल्फ कोर्स
- 94.369 एकड़ में गोल्फ एरिया
- 6.895 एकड़ में क्लब और पार्किंग एरिया
- 7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज एरिया
- 4.702 एकड़ में एनटी लाइन एरिया

9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट

- 4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड एरिया बनाया जा रहा है।

नोएडा सेक्टर-51 में पंजाबी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नोएडा के विधायक पंकज सिंह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और शुभकामनाएँ थी।

दिल्ली में पानी उतरा मुसीबतें बढ़ीं, घर में मच्छर और कीचड़ से परेशान लोग

नई दिल्ली। यमुना बाजार में आई बाढ़ का पानी तो कम हो गया है, लेकिन उसके बाद उत्पन्न संकट ने स्थानीय लोगों की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बाढ़ से पहले जहां बच्चे परीक्षा की तैयारी में जुटे थे, वहीं अब उनका अध्ययन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। घरों में जमा कीचड़, मच्छरों का प्रकोप, खराब हुई किताबें और भोजन की समस्या ने परिवारों को परेशान कर दिया है। स्कूल तो गुरुवार से खुल चुके हैं, लेकिन यमुना बाजार के अधिकांश बच्चों की पढ़ाई अभी भी घरों में ही अटकी हुई है। बाढ़ से पहले बच्चे ट्यूशन और स्कूल में नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे थे। लेकिन बाढ़ आने के बाद उनके पास न तो स्कूल बैग बचे हैं, न ही किताबें और कपड़े। बच्चों के माता-पिता का कहना है कि ऐसी हालत में उन्हें स्कूल भेजना संभव नहीं है। वे घर पर ही बच्चों को पढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, बावजूद इसके मच्छरों के काटने और गंदगी की वजह से बच्चों का ध्यान भटक रहा है।

शाहजहांपुर में 15 दिन की बच्ची को नदी किनारे जिंदा दफनाया

जमीन से रोने की आवाज आने पर चला पता

शाहजहांपुर (एजेंसी)। शाहजहांपुर जिले से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जैतीपुर से गौहापुर जाने वाले मार्ग पर बहगुल नदी के पुल के किनारे रविवार सुबह 15 दिन की बच्ची एक फुट गहरे गड्ढे में मिट्टी से दबी मिली। उसके बिलखने की आवाज सुनकर बकरी चराने गए बालक ने देखकर शोर मचाया। पुलिस ने गंभीर हालत में बच्ची को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा है।

बहगुल नदी के किनारे लोगों की आवाजाही कम रहती है। रविवार को गौहापुर गांव का डबलू बकरी चराने गया तो उसे बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। उसने शोर मचाया तो आसपास जानवर चरा रहे लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने देखा कि बच्ची का एक हाथ मिट्टी से बाहर था। चीटियों के काटने के चलते हाथ से खून बह रहा था। जबकि मिट्टी के अंदर से रोने की आवाज आ रही थी।

सूचना मिलने के बाद जैतीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को बाहर निकाला। मासूम पूरी तरह मिट्टी से सनी हुई थी। मिट्टी को पोछकर तुरंत ही उसे सीएचसी भिजवाया। जहां से उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है।

सीएचसी प्रभारी डॉ.नितिन सिंह ने बताया कि बच्ची दस से 15 दिन की लग रही है। उसकी हालत गंभीर बनी है। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया कि ऐसा कृत्य करने वाले की तलाश की जा रही है।

कासगंज में गंगा किनारे वाले 20 से अधिक गांवों में पटरी पर जिंदगी

कासगंज। पटियाली क्षेत्र के गंगा के किनारे वाले 20 से अधिक गांव को गंगा की बाढ़ ने अपना शिकार बनाया। खेतों सहित आबादी तक बाढ़ का पानी पहुंचा। बिजली गुल हो गई। विद्यालय बंद हो गए। यहां तक कि ग्रामीणों का आवागमन गमन रुक गया। लोग पूरी तरह बेबस हो गए और दयनीय स्थिति में एक माह तक अपनी गुजर करते रहे।

शासन, प्रशासन, समाजसेवियों की राहत का पात्र बनने के बाद अब स्थिति में सुधार हुआ है। पक्षियों की चहचहाहट और बच्चों खिलखिलाहट गूंजने लगी है। गंगा बाढ़ का पानी तेजी से उतर रहा है। एक माह तक बेजार हुई जिंदगी फिर से पटरी पर लौट रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 8.62 लाख वादों का निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति एवं जनपद गौतमबुद्धनगर के प्रशासनिक न्यायमूर्ति अजीत कुमार तथा जिला जज मलखान सिंह ने शनिवार को जनपद न्यायालय सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभी न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला जज चन्द्रमोहन श्रीवास्तव ने बताया कि लोक अदालत में कुल 8,62,695 वादों का निस्तारण किया गया। इसमें जनपद न्यायालय के 2,96,011 वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर 5,66,684 मामले शामिल रहे।

लोक अदालत में राजस्व न्यायालय द्वारा 92,297, पुलिस विभाग के 28,025, चिकित्सा विभाग के 36,649 और यातायात विभाग के 4,01,203 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा यूपीपीसीएल के 3,275, बीएसएनएल के 183, एनपीसीएल के 106 और बैंक से जुड़े 329 मामलों का भी समाधान हुआ।

निस्तारित मामलों में कुल समझौता धनराशि 392.94 करोड़ रुपये रही। इसमें उपभोक्ता न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, भूमि अर्जन प्राधिकरण व विभिन्न वाणिज्यिक न्यायालयों से जुड़े वाद भी शामिल थे।

जिला जज मलखान सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन आमजन को त्वरित न्याय देने में सहायक हैं।

विश्वसनीय मतदाता सूची

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के दूरुमक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई 'चालें' तमिलनाडु में काम नहीं आने वाली हैं, क्योंकि उनके राज्य में लोग राजनीतिक रूप से ज्यादा जागरूक हैं। उनके राज्य में लोगों को भ्रमित नहीं किया जा सकता। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने और इस धारणा को दृढ़ता से दूर करने की आवश्यकता होगी कि उसकी इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र के सत्तारूढ़ दल को लाभ नहीं पहुंचता है। निर्विवाद रूप से समान अवसर का अभाव चुनावी लोकतंत्र की पवित्रता और अखंडता को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, बिहार एसआईआर से मिले सबक चुनाव आयोग को अन्य राज्यों में इसी तरह की प्रक्रिया के लिये रोडमैप तैयार करते समय मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने चुनाव आयोग को आत्मनिरीक्षण और बीच में ही अपनी दिशा बदलने के लिये प्रेरित किया है। यह काफी हद तक एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स जैसे याचिकाकर्ताओं के अथक प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया है, जिसके सह-संस्थापक जगदीप छोकर का शुक्रवार को निधन हो गया। छोकर स्वच्छ व पारदर्शी चुनावों के प्रबल समर्थक रहे हैं। निस्संदेह, उनका यह अभियान चुनाव प्रक्रिया को दूषित करने के प्रयासों के विरुद्ध एक मजबूत दीवार की तरह काम करता रहेगा।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि इनको देखते ही अत्यन्त प्रेम के वश होकर मेरे मन ने जबर्दस्ती ब्रह्मसुख को त्याग दिया है। मुनि ने हँसकर कहा- हे राजन! आपने ठीक (यथार्थ ही) कहा। आपका वचन मिथ्या नहीं हो सकता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

ए प्रिय सबहि जहाँ लगि प्रानी। मन मुसुकाहिं रामु सुनि बानी॥
रघुकुल मनि दसरथ के जाए। मम हित लागि नरेस पठाए॥

जगत में जहाँ तक (जितने भी) प्राणी हैं, ये सभी को प्रिय हैं। मुनि की (रहस्य भरी) वाणी सुनकर श्री रामजी मन ही मन मुस्कुराते हैं (हँसकर मानो संकेत करते हैं कि रहस्य खोलिए नहीं)। (तब मुनि ने कहा-) ये रघुकुल मणि महाराज दशरथ के पुत्र हैं। मेरे हित के लिए राजा ने इन्हें मेरे साथ भेजा है॥

दो0-रामु लखनु दोउ बंधुबर रूप सील बल धाम।
मख राखेउ सबु साखि जगु जिते असुर संग्राम॥

ये राम और लक्ष्मण दोनों श्रेष्ठ भाई रूप, शील और बल के धाम हैं। सारा जगत (इस बात का) साक्षी है कि इन्होंने युद्ध में असुरों को जीतकर मेरे यज्ञ की रक्षा की है॥

मुनि तव चरन देखि कह राऊ। कहि न सकउँ निज पुन्य प्रभाऊ॥
सुंदर स्याम गौर दोउ भ्राता। आनँदहू के आनँद दाता॥

राजा ने कहा- हे मुनि! आपके चरणों के दर्शन कर मैं अपना पुण्य प्रभाव कह नहीं सकता। ये सुंदर श्याम और गौर वर्ण के दोनों भाई आनंद को भी आनंद देने वाले हैं।

(क्रमशः...)

कुछ बात है कि हिंदी बढ़ती रही हमारी सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-ज़माँ हमारा

14 सितम्बर, यह केवल एक तारीख़ नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा एक अवसर है। इस दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में भारत की राजभाषा का दर्जा दिया था। तब से हर वर्ष यह दिन हमें यह स्मरण कराता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान की धुरी है। देखा जाये तो हर वर्ष 14 सितम्बर हमें यह याद दिलाने आता है कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। मगर यह भी सच्चाई है कि हिंदी को लेकर राजनीति का दौर कभी थमा नहीं। दक्षिण भारत से लेकर पूर्वोत्तर तक कुछ क्षेत्रीय दल समय-समय पर यह तर्क देते रहे हैं कि हिंदी को थोपने की कोशिश हो रही है। उनके लिए हिंदी का सवाल केवल भाषा का नहीं, बल्कि पहचान और अधिकार का भी है।

लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हिंदी का विरोध वास्तव में राष्ट्र के हित में है? हिंदी किसी पर थोपी नहीं जा रही, बल्कि यह स्वाभाविक रूप से करोड़ों भारतीयों की संपर्क भाषा बन चुकी है। रेलवे स्टेशन पर घोषणाएँ हों, फ़िल्मों के संवाद हों, या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर सामग्री, हिंदी हर जगह मौजूद है और जनता की सहज पसंद बन चुकी है। विरोध करने वाले नेताओं को यह समझना चाहिए कि हिंदी को स्वीकार करना किसी क्षेत्रीय भाषा को कमज़ोर करना नहीं, बल्कि पूरे भारत को एक साझा सूत्र में पिरोना है।

हिंदी की ताक़त इसी में है कि यह संपर्क भाषा है। अंग्रेज़ी के सहारे संवाद करने की तुलना में हिंदी ज़्यादा आत्मीय और भारतीय परिवेश से जुड़ी हुई है। विश्व की 5वीं सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा होने के नाते यह केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है। यह भारतीय सिनेमा, साहित्य, पत्रकारिता और इंटरनेट की प्रमुख धुरी है।

राजनीतिक विरोध करने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर में हिंदी ने जन-जागरण और राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई थी। महात्मा गांधी से लेकर सुभाषचंद्र बोस तक ने हिंदी को जनभाषा मानकर जनता से संवाद किया। यही कारण था कि संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित कर राष्ट्रीय पहचान से जोड़ा।

आज जब हिंदी दिवस मनाया जा रहा है, तो उसका असली अर्थ यह है कि हम इस भाषा को केवल औपचारिकता से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता के साधन के रूप में देखें। हिंदी किसी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि वह सभी भारतीय भाषाओं को जोड़ने वाली सेतु है। इसलिए, हिंदी दिवस के मायने राजनीति से ऊपर उठकर समझने होंगे। विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा है और आत्मा से विरोध राष्ट्र को कमज़ोर करता है। हिंदी का सम्मान करना किसी और भाषा का अपमान नहीं, बल्कि भारत की एकता और सांस्कृतिक शक्ति को मज़बूत करना है।

यही नहीं, आज जब दुनिया बहुभाषी संवाद की ओर बढ़ रही है, तब हिंदी का भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल दिखाई देता है। क्योंकि हिंदी न केवल भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली

हिंदी की ताक़त इसी में है कि यह संपर्क भाषा है। अंग्रेज़ी के सहारे संवाद करने की तुलना में हिंदी ज़्यादा आत्मीय और भारतीय परिवेश से जुड़ी हुई है। विश्व की 5वीं सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा होने के नाते यह केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है।

भाषा है, बल्कि विश्व में भी पाँचवें स्थान पर है। आज शिक्षा और रोज़गार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। डिजिटल मीडिया, विज्ञापन, पत्रकारिता, फ़िल्म, रेडियो, अनुवाद, कंटेंट राइटिंग और सोशल मीडिया प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हिंदी की माँग लगातार बढ़ रही है। करोड़ों हिंदी भाषी उपभोक्ताओं तक पहुँचने के लिए देश-विदेश की बड़ी कंपनियाँ अपने उत्पाद और सेवाएँ हिंदी में प्रस्तुत कर रही हैं। ई-कॉमर्स, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म्स ने यह साबित कर दिया है कि हिंदी अब रोजगार और उद्यमिता का नया आधार बन चुकी है।

हिंदी केवल रोज़गार का साधन ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति भी है। विश्वभर में जब भारतीय समुदाय अपनी भाषा में संवाद करता है, तो हिंदी भारतीय पहचान का दूत बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर हिंदी की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि यह केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी प्रतिष्ठित हो रही है। भारतीय फ़िल्में और संगीत, जो दुनिया के कोने-कोने में लोकप्रिय हैं, उनकी मुख्य भाषा हिंदी ही है। यह न केवल भारत की सांस्कृतिक पहुँच को बढ़ाता है, बल्कि हमारी सॉफ्ट पावर को भी मज़बूत करता है।

वैसे, हिंदी का भविष्य तभी और सशक्त होगा जब हम इसे आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शब्दावली से समृद्ध करेंगे। शिक्षा संस्थानों में हिंदी माध्यम को रोजगारपरक बनाया जाए और शोध, विज्ञान, चिकित्सा तथा प्रौद्योगिकी की किताबें हिंदी में तैयार हों। यह भाषा तब सही मायनों में भारत का गौरव बनेगी, जब इसका प्रयोग केवल साहित्य या संवाद तक न रहकर जीवन और पेशेवर दुनिया के हर क्षेत्र में होगा।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, क्योंकि यह भाषा न केवल दिलों को जोड़ती है, बल्कि रोजगार, उद्यम और अंतरराष्ट्रीय पहचान का नया सेतु भी बन रही है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि हिंदी आने वाले समय में भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक ताक़त का स्तंभ बनेगी। हिंदी सिर्फ हमारी मातृभाषा नहीं, बल्कि भविष्य की भाषा है, जो भारत का सम्मान और अवसर दोनों बढ़ाएगी।

साथ ही, हिंदी वह स्वर है जिसने आज़ादी की लड़ाई में जन-जन को जोड़ा, स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में आधार दिया और आज वैश्विक मंचों पर भारत की गौरव गाथा का संवाहक बन रही है। स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बड़ा प्रश्न था कैसे करोड़ों भारतीयों तक आज़ादी का संदेश पहुँचाया जाए? विविध भाषाओं और बोलियों से भरे देश में हिंदी एक स्वाभाविक सेतु बनकर उभरी। महात्मा गांधी ने इसे जन भाषा कहा और जनांदोलन को व्यापक बनाने के लिए इसका प्रयोग किया। नारे, कविताएँ और गीत हिंदी में गूँज उठे जय हिंद और वंदे मातरम् जैसे उद्घोष ने हर भारतीय के दिल में ज्वाला जगाई। यही हिंदी थी, जिसने किसानों, मजदूरों, विद्यार्थियों और महिलाओं तक स्वतंत्रता का आह्वान पहुँचाया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी राष्ट्रीय एकता। संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित कर इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत किया। यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी था। हिंदी ने राज्यों और क्षेत्रों को जोड़ा, लोकतांत्रिक विमर्श को आधार दिया और मीडिया व पत्रकारिता के माध्यम से जनता की आवाज़ को शासन तक पहुँचाया। यही हिंदी थी जिसने भारत की विविधता को एक सूत्र में बाँधने का कार्य किया।

आज हिंदी भारत की सीमाओं से बहुत आगे बढ़ चुकी है। फ़िल्मों और संगीत से लेकर साहित्य और डिजिटल मीडिया तक, हिंदी ने विश्व को भारतीय संस्कृति से परिचित कराया है। प्रवासी भारतीय समुदाय ने इसे पाँच महाद्वीपों में जीवित रखा है। विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी के अध्ययन केंद्र, संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति और वैश्विक डिजिटल मंचों पर इसकी लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि हिंदी अब केवल भारत की भाषा नहीं रही, बल्कि भारत की पहचान बन चुकी है। देखा जाये तो हिंदी की शक्ति केवल उसकी व्यापकता में नहीं, बल्कि उसकी आत्मीयता में निहित है। यह वह भाषा है, जो उत्तर भारत के गाँवों से लेकर दक्षिण भारत के महानगरों तक, फिल्मों से लेकर साहित्य तक, लोकगीतों से लेकर इंटरनेट तक, हर जगह सहज संवाद की डोर थामे हुए है। यह भारतीयता की वह बुनावट है, जिसमें अलग-अलग भाषाई और सांस्कृतिक रंगों को जोड़ने की क्षमता है।

बहरहाल, हिंदी दिवस हमें केवल इतिहास की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी देता है कि यदि हमने अपनी भाषा की ताक़त को नहीं पहचाना तो सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता अधूरी रह जाएगी। हिंदी ने स्वतंत्रता की लड़ाई में जनता को आवाज़ दी, राष्ट्र निर्माण में आधार दिया और आज भारत को विश्व में नई प्रतिष्ठा दिला रही है। यही इसकी असली सार्थकता है। फिर भी प्रश्न यह उठता है कि क्या हम वास्तव में हिंदी के साथ न्याय कर पा रहे हैं? देखा जाये तो हिंदी दिवस केवल भाषणों और औपचारिक आयोजनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को ज्ञान-विज्ञान, तकनीक और प्रशासन की भाषा बनाने का साहसिक संकल्प लिया जाए। हमें यह स्वीकार करना होगा कि भाषा ही राष्ट्र की आत्मा है। आत्मा से दूरी, राष्ट्र से दूरी के समान है। आज समय की माँग है कि हिंदी को विश्व पटल पर और सशक्त बनाया जाए। यह तभी संभव होगा जब हम इसे हीनता नहीं, बल्कि गौरव की दृष्टि से देखें। बच्चों को हिंदी में शिक्षा देने पर गर्व करें, शोध और विज्ञान की भाषा हिंदी बने, और तकनीक में हिंदी को सर्वोच्च स्थान मिले। इस हिंदी दिवस पर हमें केवल उत्सव नहीं मनाना है, बल्कि संकल्प लेना है— हिंदी का सम्मान ही भारत की एकता, संस्कृति और स्वाभिमान का सम्मान है।

-नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सामूहिक ज़िम्मेदारी नहीं

सामूहिक ज़िम्मेदारी जैसे दो शब्द सुनकर नया सा लगता है। हालांकि यह शब्द पुराने हैं लेकिन अब लगता है कि इस तरह की कोई चीज़ नहीं होती। अगर ऐसी चीज़ कहीं किसी कोने में पड़ी भी होगी तो हमें इसकी ज़रूरत अब नहीं रही। जिन चीज़ों की हमें ज़रूरत नहीं होती उन्हें हम संजोकर नहीं रखते। रोज़ सैंकड़ों फ़ोटोज़ खींचते हैं लेकिन दोबारा उन्हें देखते भी नहीं, कुछ लोगों के लिए यह फख्र की बात है कि उनके स्मार्ट फोन में इतने हज़ार फोटो हैं।

किसी एक व्यक्ति को किसी भी काम की ज़िम्मेदारी देना आसान है निस्बत इसके कि उस काम की सामूहिक ज़िम्मेदारी दी जाए। समूह में तो कई तरह के लोग होंगे वे क्यूं ज़िम्मेदारी लेंगे। कहां इतने लोगों की नैतिकता, सामाजिकता और राष्ट्र प्रेम को ज़िम्मेदार ठहराकर खतरे में डालना और कहां सिर्फ एक व्यक्ति को। जिसे जब चाहे पकड़ कर अन्दर कर सकते हैं। पीट सकते हैं। पहाड़ जब खिसकने लगें, सड़कें जब बहने लगें तो उसकी ज़िम्मेदारी किसी सामान्य व्यक्ति को देना सुरक्षित है न कि पूरी कम्पनी को। एक से निबटना आसान है, समूह से निपटना मुश्किल। कम्पनी भी तो समूह होती है।

सामूहिक उत्तरदायित्व की कोई नैतिक कसौटी नहीं होती। राजनीति की बात पता नहीं कैसी होती है। वहां जनता, समूह के रूप में एक होकर, एक व्यक्ति को अपना नेता चुनती है जिसकी कोई ज़िम्मेदारी नहीं होती। जनता की सामूहिक ज़िम्मेदारी नहीं होती। सब लोगों की अलग अलग ज़िम्मेदारी होती है क्यूंकि किसी को पता नहीं होता कि किस ने किस को वोट दिया है। सामूहिक ज़िम्मेदारी खतरनाक स्थिति होती है। जिसमें स्थिति के कारण हुई घटना ऊपर से नीचे तक सब को फंसा देती है लेकिन जब सवाल उठते हैं तो जवाब देने के लिए व्यक्ति अकेला रह जाता है। उसे ही जवाब देना पड़ता है बाक़ी सब अपने अपनी अपनी खोह में घुस जाते हैं।

यह तो कई बार हो चुका है कि जो व्यक्ति चोट खाता है, दुर्घटना में चोटिल हो जाता है, नरक में जाता है, उसकी अपनी गलती ज़्यादा मानी जाती है कि उसने भीड़ कि तरह क्यूं सोचा। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा बारे ईमानदार चिंतन क्यूं नहीं किया। वैसे तो ऐसी घटनाओं की ज़िम्मेदारी खराब व्यवस्था, लचर प्रशासन, लापरवाह अनुशासन को दे सकते हैं लेकिन ज़िम्मेदारी स्थापित करते, कानून के दरवाज़े खटखटाते बरसों बीत जाएंगे लेकिन यह सुनिश्चित नहीं हो पाएगा कि वास्तव में ज़िम्मेदार कौन है। इसलिए सुरक्षित यही है कि व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी डालकर मामला उलझा दिया जाए और सुलझा हुआ मान लिया जाए।

एक तरीका यह भी हो सकता है कि परिस्थितियों को ज़िम्मेदार करार दिया जाए। उन नक्षत्रों को भी निकम्मा कहा जा सकता है जिसके कारण घटना, दुर्घटना में तब्दील हो गई। मान लीजिए बन्दूक के माध्यम से किसी पर हमला किया और व्यक्ति मर गया तो इसमें बन्दूक को भी दोषी ठहराया जा सकता है। संसार की पहली बन्दूक बनाने वाले को भी शुद्ध दोषी माना जाना चाहिए। फिर हमें उसके उत्तराधिकारियों को भी सामने लाना होगा लेकिन यह तो फिर से सामूहिक ज़िम्मेदारी की खिचड़ी पकाना होगा। बेहतर तो यही है कि एक बंदा फंसाओ और सामूहिक पंगे से छुट्टी पाओ।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्य साथ देगा, लाभ के योग बन रहे हैं। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कार्यों की विघ्न, बाधा खत्म होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच के पार करें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे लेकिन थोड़ा सा स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
संतान पक्ष से थोड़ा मन खिन्न रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। मां के स्वास्थ्य में सुधार।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मित्रों में वृद्धि होगी। सबके साथ बहुत आनंददायक जीवन गुजारेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
पॉजिटिव का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा, प्रेम संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा , लाभ के संकेत।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन परेशान रहेगा खर्च की अधिकता रहेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
नए-नए स्रोत बनेंगे आय के। पुराने स्रोत भी कायम रहेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान का साथ है।

शंकराचार्य पर भड़के जीतनराम मांझी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गंदे आदमी, उनका टाइटल हटे

गया जी

बिहार विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार उतारने के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य स्वामी के बयान पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने शनिवार को बोधगया में मीडिया से रूबरू होने के दौरान एक बयान में कहा कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य का टाइटल हट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे गंदा आदमी है। इस दौरान मांझी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की।

मांझी ने का कि पीएम जो कहते है वह करते हैं। प्रधानमंत्री ने जो किया वह सब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दिखाई नहीं देता है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यों को पूरा संसार देख रहा है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बिहार विधानसभा चुनाव में ताल ठोकने के बयान पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा कि वह 225 पर ही क्यों 242 सीटों पर चुनाव लड़ें। इससे क्या परेशानी है। जनतंत्र में किसी को चुनाव लड़ने से कोई नहीं रोक सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी आज संसार में अगुआ नेता के रूप में चिन्हित हो रहे हैं। पीएम के नेतृत्व में भारत अर्थव्यवस्था में पांचवें स्थान से आगे बढ़ते हुए चौथे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2027-28 में भारत की अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत के वैज्ञानिक आज चंद्रमा के दक्षिणी छोर पर पहुंच गये। यह शंकराचार्य को दिखाई नहीं दे रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी जी ने पाकिस्तान को कहा था कि ऐसा मारेंगे कि किसी को पता भी नहीं चलेगा। उन्होंने ऐसा करके दिखा भी दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो हुआ उसे पूरे संसार ने देखा। पाकिस्तान में आतंकी अड्डों को बर्बाद कर दिया गया। यह शंकराचार्य को पता नहीं है। जबकि इसके बारे में विश्व को भी पता है।

बिहार में गौ मतदाता संकल्प यात्रा

इससे पहले पटना में शंकराचार्य ने कहा कि गौ माता की रक्षा के लिए बिहार की सभी सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार खड़े करेंगे। कहा कि गौ हत्या पर रोक लगाने के लिए सभी पार्टियों का दरवाजा खटखटाया गया। मगर कहीं से माकूल जवाब नहीं मिला, तो वे अब मतदाताओं के पास जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहार में गौ मतदाता संकल्प यात्रा निकाल रहे हैं। इसकी शुरुआत शनिवार को सीतामढ़ी में मां जानकी मंदिर में पूजा करने के बाद हुई। इस यात्रा के तहत वे बिहार के सभी जिला मुख्यालयों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे मतदाताओं से अपील करेंगे कि वोट उन्हें ही दें जो गौ-हत्या रोकने का संकल्प लें।

'किसानों को सीधे एक्सपोर्ट से जोड़ने की योजना '

दरभंगा। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार रात दरभंगा के सर्किट हाउस में अपने विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा की है। इससे किसानों को उचित मूल्य, बेहतर बाजार और तकनीकी सहयोग मिलेगा।

मंत्री ने बताया कि दरभंगा और मधुबनी में स्वावलंबी समितियां बनाई गई हैं, जो वैज्ञानिकों की मदद से किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में किसानों को सीधे एक्सपोर्ट से जोड़ने और सहकारी बैंकों को पुनः सक्रिय करने की योजना है। श्रवण कुमार ने बताया कि कम पानी में उत्पादन की चुनौती से निपटने के लिए नई तकनीक पर जोर दिया जाएगा।

बागेश्वर बाबा विशेष विमान से गयाजी पहुंचे

पिंडदान और श्रीहरि प्रवचन सुनाएंगे

गयाजी

पंडित धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर बाबा एक बार फिर से बिहार पहुंचे हैं। शनिवार को वे वाराणसी से विशेष विमान से गया जी हवाई अड्डा पहुंचे। जानकारी के मुताबिक बागेश्वर बाबा बोधगया के संबोधि रिजॉर्ट में रुकेंगे। 3 दिनों के प्रवास के दौरान धीरेंद्र शास्त्री श्रीमद् भागवत पुराण परायण और पिंडदान अनुष्ठान करेंगे। इसके अलावा श्रीहरि प्रवचन करेंगे। गयाजी हवाई अड्डा पहुंचने पर रनवे पर एयरपोर्ट के निदेशक बांगजीत शाहा ने उनसे आशीर्वाद लिया।

बोधगया में बागेश्वर बाबा का प्रवचन सुनने के लिए तमाम राज्यों से श्रद्धालु बोधगया पहुंचे हैं। पिंडदान कर चुके ये यजमानों को बागेश्वर धाम सरकार श्रीमद् भागवत पुराण परायण का पाठ सुनाएंगे। आपको बता दें इस बार के पितृपक्ष महासंगम में देश के प्रसिद्ध लोगों का आना जारी है। शुक्रवार को भाजपा की दिग्गज नेत्री पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज की सांसद पुत्री बांसुरी स्वराज विष्णुनगरी पहुंची। दिल्ली की सांसद अपने माता सुषमा स्वराज के लिए पिंडदान किया। माता के साथ ही अन्य पूर्वजों के लिए गयाजी श्राद्ध किया। पिंडदान कर सभी के मोक्ष की कामना की। गया जी में पितृपक्ष का छठा दिन भरणी श्राद्ध के लिए रहा। आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी शुक्रवार को त्रपाक्षिक गयाश्राद्ध कर रहे पिंडदानियों की भीड़ विष्णुपद मंदिर और आसपास रही। पिंडदानियों ने विष्णुपद मंदिर परिसर में स्थित तीन वेदियों पर पिंडदान कर पूर्वजों के मोक्ष की कामना की।

विष्णुपद, रूद्रपद और ब्रह्मपद वेदी पर मुख्य रूप से खीर से बने पिंड ने कर्मकांड किया। अगले दो दिनों शनिवार व रविवार मंदिर में ही स्थित वेदियों पर कर्मकांडियों की भीड़ रहेगी।

पटना में लोक अदालत के दौरान हंगामा, भड़के लोग

पटना। बिहार के सभी न्यायालयों में शनिवार को राष्ट्रीय लोकअदालत का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न मामलों की सुनवाई की जा रही है। इस दौरान पटना में कुछ नाराज लोगों ने हंगामा कर दिया। शोर शराबा कर रहे लोग पटना एसएसपी कार्यालय पहुंचे और अपनी शिकायत बताई। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान से संबंधित मामलों की सुनवाई नहीं होने से आक्रोश भड़का।

प्रदर्शन कर रहे लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक आधिकारिक वेबसाइट पर ट्रैफिक चालान से जुड़े वादों पर सुनवाई की जानकारी दी गयी थी। बड़ी संख्या में लोग जो ट्रैफिक चालान से पीड़ित हैं, कोर्ट परिसर पहुंचे थे। यहां उन्हें बताया गया कि इन मामलों में सुनवाई नहीं होगी। यह सुनते ही कई लोग नाराज हो गए और शोर मचाने लगे। थोड़ी देर में ही बड़ी संख्या में ट्रैफिक चालान से पीड़ित लोग पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस कर्मी उन्हें संभालते रहे पर शोर शराबा नहीं रुका। अंत में सभी लोग एसएसपी कार्यालय में अपनी बात रखने पहुंच गए। खबर लिखे जाने तक वहां भीड़ जुटी रही।

इधर किशनगंज में व्यवहार न्यायालय परिसर शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय, सुलहनीय मामलों को निष्पादन किया जा रहा है।लोक अदालत में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने मामलों के निष्पादन के लिए पहुंच रहे है।निष्पादन के लिए अलग अलग काउंटर लगाए गए है।

बर्खास्त संविदा कर्मियों ने भाजपा दफ्तर घेरा

डिप्टी CM विजय सिन्हा समझाने में जुटे

पटना। जिले में शनिवार को बर्खास्त संविदा कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए भाजपा दफ्तर तक जा पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय को घेर लिया। हजारों की तादाद में शामिल संविदा कर्मी सरकार के खिलाफ नारेबाजी और विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने उन्हें समझाने की कोशिश की भी की। लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। आपको बता दें संविदा कर्मी समान काम, समान वेतन और 60 साल नौकरी की मांग पर अड़े हैं। हड़ताल पर जाने के बाद से 8 हजार कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया है। 25 से ज्यादा दिनों से पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। लेकिन आज प्रदर्शन उग्र हो गया। और प्रदर्शनकारी भाजपा दफ्तर तक पहुंच गए। आपको बता दें एक दिन के बिहार दौर पर आए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भाजपा कार्यालय में बैठक करनी थी। लेकिन प्रदर्शन और बवाल के बीच बैठक को गेस्ट हाउस में शिफ्ट कर दिया गया है। जहां भाजपा कोर कमेटी की बैठक जारी है।

अचानक आवास पर पहुंचे बाढ़ पीड़ितों का तेज प्रताप ने जाना हाल

खाना, पानी और रहने की उचित व्यवस्था

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव आज एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण है अपने छोटे भाई के विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की मदद करना। दरअसल, आज पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह अपने आवास पर महिला और पुरुषों को खुद से खाना परोसते दिखे। वीडियो शेयर करने के साथ उन्होंने लिखा कि शुक्रवार देर रात राघोपुर विधानसभा से बाढ़ से पीड़ित कुछ महिला और पुरुष मेरे आवास के बाहर सिक्योरिटी रूम में आकर बैठे थे। जैसे ही मुझे इस बात की सूचना मिली हम तुरंत ख़ुद से गेट पर पहुंचकर

सभी महिलाओं और पुरुषों से उनका हाल समाचार लिया। तेज प्रताप यादव ने लिखा कि हम सभी लोगों को अपने आवास के अंदर लेकर गए और सभी के लिए खाना, पानी और रहने की उचित व्यवस्था करवाये और साथ ही कुछ आर्थिक सहायता दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा कि गरीब और जरूरतमंद की सेवा ही सच्ची भगवान की सेवा होती है।

पटना में पत्थर से कुचलकर दिव्यांग की हत्या

पटना

पटना में दिव्यांग की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना मनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी गांव के स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के पास चबूतरे पर हुई। दिव्यांग चबूतरा पर सो रहा था। अपराधियों ने शनिवार की अहले सुबह पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। जब गांव के लोग सुबह चबूतरे पर मृतक के शव को देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल करते हुए मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज

दिया है। हालांकि, घटना का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों की काफी भीड़ मौके पर जुटी रही। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक अपने बहन के गांव में रह रहा था।

बताया जाता है कि शेरपुर गांव के रहने वाले जीत लाल राय (45), मनेर के गोरिया स्थान स्थित जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी में अपने बहन के गांव में रहता था। हर रोज की तरह वह गांव के बाहर देवी स्थान स्थित चबूतरे पर सोया हुआ था। इस बीच, किसी अज्ञात अपराधियों ने सोते समय उसके सिर पर पत्थर से प्रहार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर अपराधी मौके से फरार हो गए। शनिवार की सुबह जब गांव के लोग सड़क पर निकले तो देखा कि जीत लाल राय की बेरहमी से हत्या की गई है। इसके बाद गांव के लोगों में सनसनी फैल गई। धीरे-धीरे गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने मनेर पुलिस को घटना की सूचना दी। हत्या की घटना की सूचना पर मनेर थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार, एसआई राहुल कुमार समेत जिला पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे।

प्रशांत किशोर शराब वालों से पैसा ले रहे: संजय जायसवाल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद संजय जायसवाल का झगड़ा बढ़ता जा रहा है। अब भाजपा सांसद ने पीके पर शराब कंपनियों से पैसे लेने का आरोप लगाया है। साथ ही जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पीके को वोट काटने के लिए बिहार भेजा है।

पटना स्थित भाजपा दफ्तर में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए जायसवाल ने कहा कि प्रशांत किशोर दो नंबर का पैसा ले रहे हैं। वे क्या स्ट्रेटजी बनाएंगे। वे सिर्फ वोट काटने वाले हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीके पहले ही दिन से धोखा दे रहे हैं। उन्होंने अपनी जन सुराज पार्टी का गठन भी झूठ के आधार पर किया। जायसवाल ने कहा कि प्रशांत किशोर ने अगस्त 2022 में ही दिल्ली में जन सुराज पार्टी बना ली थी। फिर पीके ने अक्टूबर 2024 में क्यों बिहार में पार्टी लॉन्च की। उन्होंने यह भी दावा किया कि दिल्ली में जन सुराज पार्टी का जो इश्तेहार दिया गया था, उसमें पार्टी का अध्यक्ष शरद कुमार मिश्रा और महासचिव विजय साहू को बताया गया।

विजिलेंस टीम ने रिश्वत मामले में डंडारी सीओ को गिरफ्तार किया

बांका। जिले के डंडारी अंचल कार्यालय से मंगलवार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस) की टीम ने अंचलाधिकारी (सीओ) राजीव कुमार और डेटा ऑपरेटर कुंदन कुमार को रिश्वत मामले में गिरफ्तार कर लिया। टीम दोनों को पटना लेकर गई है। गिरफ्तारी से पहले सीओ राजीव कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, समिति की बैठक चल रही है। विजिलेंस ने ऑपरेटर को पैसा लेते हुए पकड़ा है और मुझे ट्रैक करने की कोशिश की जा रही है। यहां सभी

लोग गवाह हैं कि मैंने किसी से कोई पैसा नहीं लिया है। इसके बावजूद विजिलेंस मुझे उठाने की कोशिश कर रही है। पटना से आए विजिलेंस टीम के डीएसपी अरुणोदय पांडेय ने बताया कि बांक गांव निवासी विजय कुमार चौरसिया ने अंचलाधिकारी राजीव कुमार पर काम कराने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। इस शिकायत पर निगरानी थाना में मामला दर्ज किया गया और सत्यापन के बाद कार्रवाई की गई। जांच के दौरान सीओ राजीव कुमार और उनके डेटा ऑपरेटर कुंदन कुमार को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। टीम ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर पटना भेज दिया। इस कार्रवाई के बाद अंचल और प्रखंड कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

व्यापार

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता से नवाचार को बढ़ावा मिलेगा

पटना

भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही संतुलित और पारस्परिक लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। ईयू के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हेंसन व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए भारत आए थे। दोनों पक्षों की आधिकारिक टीमों ने 13वें दौर की वार्ता की।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता के 13वें दौर में आपकी मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात थी। हम दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसरों को खोलने के लिए जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद। हमारी निरंतर बातचीत की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा, "यह समझौता भारतीय निर्माताओं के लिए अपने यूरोपीय समकक्षों और दुनिया के अन्य हिस्सों की कंपनियों के साथ साझेदारी करने के नए रास्ते खोलेगा, जिससे संयुक्त उद्यमों, प्रौद्योगिकी साझेदारी और सहयोगात्मक नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।"

केंद्र सरकार का खर्च सैलरी से अधिक पेंशन पर बढ़ा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के 2025-26 के बजट में पेंशन और सैलरी पर खर्च को लेकर एक दिलचस्प आंकड़ा सामने आया है। बजट प्रोफाइल दस्तावेजों के अनुसार, 2023-24 से पेंशन पर खर्च वेतन से अधिक हो गया है। यह प्रवृत्ति 2025-26 के बजट में भी जारी रहने की उम्मीद है। इसका असर 8वें वेतन आयोग पर दिखाई दे सकता है।

2025-26 के केंद्रीय बजट में वेतन पर 1.66 लाख करोड़ और पेंशन पर 2.77 लाख करोड़ खर्च करने का अनुमान है। पिछले तीन वर्षों में 'वेतन' और 'पेंशन' आवंटन लगभग अपरिवर्तित रहे हैं, लेकिन 2023-24 से पहले तक सैलरी खर्च पेंशन से काफी अधिक था। विशेष रूप से, 2022-23 और 2023-24 के बीच 'वेतन' खर्च में 1 लाख करोड़ की भारी गिरावट आई है। 2023-24 के बाद भी यह प्रवृत्ति लगभग समान बनी हुई है। यह संकेत देता है कि वेतन खर्च में भारी कमी आई है, जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि सरकारी कर्मचारियों की संख्या में भी कमी आई होगी। 'वेतन' और 'पेंशन' खर्च बजट दस्तावेज में स्थापना व्यय के अंतर्गत आते हैं।

8वें वेतन आयोग पर दिखेगा असर?

वेतन से अधिक भत्तों के लिए अधिक आवंटन

बजट के 'खर्च प्रोफाइल' हिस्से में कर्मचारियों को किए जाने वाले भुगतान को विस्तार से बताया गया है। इन्हें तीन प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है: वेतन, भत्ते (यात्रा खर्च को छोड़कर) और यात्रा व्यय। वर्ष 2017-18 से इस मद के कुल आवंटन में कोई गिरावट नहीं दिखती। यहां तक कि सरकार द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या 2017-18 से 2025-26 के बीच 32 से 37 लाख के बीच बनी हुई है। हालांकि, 'वेतन' मद के लिए आवंटन में ठहराव आ गया है, जबकि 2023-24 से 'भत्ते ' मद के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बजट अनुमान 2023-24 में 'वेतन' मद के आवंटन में इसलिए कमी आई है, क्योंकि 'वेतन' में अब महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता आदि जैसे भत्ते शामिल नहीं हैं, जिन्हें 2023-24 से 'भत्ते (यात्रा खर्च को छोड़कर)' मद के तहत समाहित कर दिया गया है। यह परिवर्तन बताता है कि कुल व्यय कम नहीं हुआ है।

सोने-चांदी की कीमतों ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक मांग और अगले सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने से शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच गईं।

सोने की कीमत 1,13,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली इस बहुमूल्य धातु में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। यह 700 रुपए की छलांग लगाकर 1,13,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 700 रुपए बढ़कर 1,13,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो इसका सर्वकालिक उच्चतम स्तर है। इस बीच, चांदी में तेजी से उछाल आया और दो दिन की गिरावट का सिलसिला थम गया। चांदी 4,000 रुपये की छलांग लगाकर 1,32,000 रुपए प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

सोने की कीमतों में हुआ 44.14 प्रतिशत का उछाल चालू कैलेंडर वर्ष में पीली धातु की कीमतों में 34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम या 44.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 31 दिसंबर, 2024 को 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 44,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी हाल के अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों से प्रेरित है। इसने 2025 के अंत से पहले फेडरल रिजर्व द्वारा कई ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बढ़ा दिया है, जिससे बुलियन में खरीदारी गतिविधि को बढ़ावा मिला है। गांधी ने कहा कि इसके अलावा, औद्योगिक धातुओं में सकारात्मक रुख और एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों से मजबूत प्रवाह से चांदी की तेजी को लाभ मिला।

महाराष्ट्र में सेमीकंडक्टर प्लांट लगा रही कंपनी को जमीन का आवंटन

मुंबई। सचिन तेंदुलकर समर्थित आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स को नवी मुंबई में 12,035 करोड़ की सेमीकंडक्टर फैब परियोजना के लिए 100 एकड़ भूमि मिली, जिससे 1.25 लाख वेफर बनेंगे हर माह। आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स को महाराष्ट्र में सेमीकंडक्टर परियोजना लिए नवी मुंबई में 100 एकड़ भूमि के लिए राज्य सरकार से पत्र मिल गया है। कंपनी की राज्य में 12,000 करोड़ रुपये की लागत से सेमीकंडक्टर फैब लगाने की योजना है। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर द्वारा समर्थित इस कंपनी ने एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार देर रात आयोजित एक कार्यक्रम में कंपनी को यह सहमति पत्र प्रदान किया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने दुनिया की सबसे पुरानी और स्थापित सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक की सेमीकंडक्टर फैब इकाई को टेक्सास के शेरमैन से यहां स्थानांतरित करने के लिए नवी मुंबई में 100 एकड़ जमीन हासिल कर ली है। कंपनी ने बताया कि 12,035 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना क्षेत्र की सबसे बड़ी और सबसे उन्नत फैब में से एक होगी। इसकी क्षमता प्रति माह 1,25,000 वेफर्स बनाने की होगी।

अडानी पावर बिहार में करेगी 3 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर बिहार में भारी निवेश करने जा रही है. कंपनी राज्य में करीब तीन अरब डॉलर यानी लगभग 26,482 करोड़ रुपये खर्च करेगी. अडानी ग्रुप की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि उसने बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के विद्युत आपूर्ति समझौते (पीएसए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भागलपुर जिले के पीरपैंती में स्थापित होने वाली परियोजना से राज्य को बिजली की आपूर्ति की जाएगी।

यह पीपीए अगस्त में उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) की ओर से बीएसपीजीसीएल द्वारा अडानी पावर को जारी किए गए स्वीकृति पत्र के अतिरिक्त है. अडानी पावर ने 6.075 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की न्यूनतम आपूर्ति दर की पेशकश करके यह परियोजना हासिल की. कंपनी ने कहा है कि नए संयंत्र और उससे संबंधित अवसंरचना के निर्माण के लिए लगभग तीन अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा. यह परियोजना डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, स्वामित्व और संचालन मॉडल के तहत विकसित की जाएगी।

फोन पे पर चला आरबीआई का चाबुक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फिनटेक कंपनी फोन पे पर 21 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. केन्द्रीय बैंक की ओर से यह कार्रवाई प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स से जुड़े कुछ मानदंडों का सही तरीके से पालन नहीं करने पर की गई है. आरबीआई ने बताया कि अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2024 तक की अवधि में कंपनी के ऑपरेशंस का वैधानिक निरीक्षण किया गया था. निरीक्षण और पत्राचार के आधार पर कंपनी को नोटिस जारी किया गया और कारण बताने को कहा गया. बेंगलुरू बेस्ट कंपनी फोन पे की ओर से दिए गए जवाब और अतिरिक्त प्रस्तुतीकरण पर विचार के बाद केन्द्रीय बैंक ने सभी आरोपों को बिल्कुल सही पाया और जुर्माना लगाया। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि कंपनी के एस्क्रो खाते में कई मौकों पर शेष राशि प्रीपेड भुगतान उत्पादों (पीपीआई) और व्यापारियों को देय रकम से कम थी और इस कमी की सूचना समय पर आरबीआई को नहीं दी गई।

एशिया कप : क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज

महामुकाबले में सूर्या देंगे सबसे बड़ा इम्तिहान

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप-2025 का आज मैच खेला जाना है। जिस पर सभी की नजरे हैं। ये टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मैच है। कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अच्छा है लेकिन अब पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उनके सामने सबसे बड़ा इम्तिहान है। मौजूदा फॉर्म और पिछले कुछ मैचों के आंकड़े देखकर उन्हें खुद शर्म आ जाएगी।

सूर्या ने लगभग एक साल पहले जड़ा था आखिरी अर्धशतक

सूर्यकुमार यादव का टीम इंडिया के लिए बल्ला काफी समय से नहीं चला है। उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ हैदराबाद में हुए मैच में 75 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। इसके बाद से उन्होंने एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। इसके बाद उन्होंने 10 मैच खेले हैं और इनमें उनका सर्वाधिक स्कोर 21 का है। ऐसे में सूर्या पर अब काफी दबाव रहने वाला है। वो जिस तरह से कप्तानी से प्रभावित कर रहे हैं, वैसे ही अब उन्हें बल्ले से भी पाकिस्तान के खिलाफ खुद को साबित करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच इन दो टीमों के बीच मैच काफी बड़ा माना जाता है और दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों पर इसे लेकर दवाब रहता है। इस मैच से पहले पाकिस्तानी बल्लेबाज सैम अयूब ने भारत को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने जसप्रीत बुमराह पर भी निशाना साधा है। सैम अयूब का ये भारत के खिलाफ पहला टी20 मैच होगा। इससे पहले टी20 वर्ल्ड कप में जब ये दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं तब सैम बाहर बैठे थे। सैम की कोशिश है कि वह अपनी टीम को जीत दिला सकें। उन्होंने कहा है कि टीम सिर्फ भारत के खिलाफ मैच को नहीं देख रही है बल्कि उसकी नजरें पूरे टूर्नामेंट पर हैं।

भारत-पाकिस्तान में 3 मैच संभव

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है। **तीसरा मैच** : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

मैच रोकने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट से याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। हालांकि, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह सिर्फ एक मैच है।

मुकाबले में बन सकते हैं कई रिकॉर्ड

यह मुकाबला टूर्नामेंट के टी20 फॉर्मेट में दोनों के बीच चौथा मुकाबला है। इससे पहले टी20 फॉर्मेट में दोनों के बीच तीन बार भिड़ंत हुई है जिसमें दो में टीम इंडिया एक में पाक विजयी रही है। इस बार का मुकाबला दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव की वजह से और अहम हो गया है। भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर अपनी बढ़त बढ़ाना चाहेगी। वहीं पाक की कोशिश बराबरी की होगी।

हॉकी में महिला टीम की चीन से फाइनल में भिड़ंत

भारत ने आखिरकार महिला एशिया कप 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है। भारत ने शनिवार को अपने आखिरी सुपर चार मैच में जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, जिसके बाद उसकी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें चीन बनाम कोरिया मुकाबले पर थीं। मेजबान चीन ने अंतिम सुपर चार मैच में कोरिया को 1-0 से हराया और इसी के साथ भारत ने फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत और चीन के बीच रविवार को हांगझाऊ में खिताब मुकाबला खेला जाएगा। दरअसल, कोरिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए दो गोल के अंतर से जीत की दरकार थी मगर चीन की जीत ने भारत का फाइनल का टिकट कंफर्म कर दिया। चीन ने सुपर चार चरण में भारत को हराकर पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी। चीन तीन जीत के बाद नौ अंक के साथ सुपर चार तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि भारत एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार से चार अंक से दूसरे स्थान पर रहा।

कीरोन पोलार्ड बने अपनी टीम के विलेन

नई दिल्ली। कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) 2025 का 28वां मैच बारबाडोस रॉयल्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (TKR) के बीच 13 सितंबर को खेला गया जहां बारबाडोस की टीम ने 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में ट्रिनबागो के स्टार ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अपनी टीम के लिए सबसे विलेन बन गए। इस मैच में उनकी खराब गेंदबाजी की वजह से हार का सामना करना पड़ा। पोलार्ड से मैच के अंतिम ओवरों में टीम को उम्मीदें थी लेकिन वहां वह काफी महंगे साबित हुए, जिस वजह से उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले की बात करें तो पहली पारी में ट्रिनबागो ने 166 रन बनाए। टीम के कप्तान पूरन ने 44 गेंदों पर 45 रनों की धीमी पारी खेली, हालांकि उनकी इसी पारी के बदौलत टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस रॉयल्स की शुरुआत शानदार रही। विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने सिर्फ 35 गेंदों पर 55 रन बनाकर टीम के लिए जीत लगभग पक्की कर दी। ट्रिनबागो के गेंदबाज उस्मान तारिक ने शानदार गेंदबाजी करके मैच में अपनी टीम की वापसी करवाई। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 23 रन देकर 2 विकेट लिए। आखिरी दो ओवरों में रॉयल्स को 21 रन की जरूरत थी।

626वीं रैंक वाले दक्षिणेश्वर ने किया उलटफेर, 155वीं रैंक वाले काइम के हराया

भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ बढ़त बनाई

नई दिल्ली। डेविस कप के ग्रुप स्टेज के मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड के खिलाफ पहले दिन 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। रिजर्व प्लेयर दक्षिणेश्वर सुरेश ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जेरोम काइम को सीधे सेटों में 7-6, 6-3 से हराकर भारत को पहली जीत दिलाई। जबकि सुमित नागल ने भी जीत से वापसी की। उन्होंने मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6 से हराया। फिलहाल, दक्षिणेश्वर की ATP रैंकिंग 626 और काइम की 155 है। कप्तान रोहित राजपाल ने आर्यन शाह की जगह दक्षिणेश्वर पर भरोसा जताया और इस खिलाड़ी ने उन्हें निराश नहीं किया।

मैच जीतने के लिए एक जीत की जरूरत

शुरुआती दो सिंगल्स मुकाबलों में जीत के साथ भारतीय टीम अब यूरोपीय धरती पर एक यादगार डेविस कप जीत के करीब पहुंच गई है। उसे अब होने वाले तीन मैचों में से एक में जीत हासिल करनी होगी। यदि टीम एक मैच जीत लेती है तो यह स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच अपने नाम कर लेगी। भारत ने पिछली बार 1993 में कान्स में किसी यूरोपीय टीम को हराया था, जब लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की अगुआई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था।

T20 इंटरनेशनल में तीसरी बार 300+ का स्कोर: इंग्लैंड ने बनाए 304 रन

ओपनर फिल सॉल्ट का 39 गेंदों में शतक

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज फिल सॉल्ट इंग्लैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी-20 में 39 गेंदों में शतक लगाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सॉल्ट ने 141 रन की नाबाद पारी खेली, जो इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर है। इंग्लैंड ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में 20 ओवर में 304 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में इंग्लैंड का हाईएस्ट और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

304 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम 158 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह इंग्लिश टीम ने यह मैच 146 रन से जीत लिया।

पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। सॉल्ट (नाबाद 141, 60 गेंद, 30 चौके, 9 छक्के) और कप्तान जोस बटलर (39 गेंद में 83 रन) ने पहले विकेट के लिए 47 गेंदों पर 126 रन जोड़ दिए। पावरप्ले में ही इंग्लैंड का स्कोर 106/1 हो गया। फिल सॉल्ट ने मार्को यानसन ने पहले ओवर में 18 रन बटोरे बटलर ने लिजाड विलियम्स के खिलाफ 22 और कगिसो रबाडा के खिलाफ 20 रन बनाए। बटलर ने 18 गेंदों में टी-20 करियर का अपना सबसे तेज अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 30 बॉल पर 83 रन की पारी खेली। वह ब्योर्न फॉर्च्यून की गेंद पर आउट हुए।

शाहीन के डायरेक्ट हिट से विनायक रनआउट

हारिस ने सिक्स से फिफ्टी पूरी की, आमिर ने 2 गेंदों पर दो विकेट लिए

नई दिल्ली। 2025 एशिया कप में पाकिस्तान ने अपना पहला मैच जीत लिया है। टीम ने ओमान को 93 रन से हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 160 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में 67 रन पर ही सिमट गई। शुक्रवार को दुबई में शाहीन अफरीदी के डायरेक्ट हिट से विनायक शुक्ला रनआउट हो गए। मोहम्मद हारिस ने सिक्स से अपनी फिफ्टी पूरी की। ओमान के स्पिनर आमिर कलीम ने एक ही ओवर पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और हारिस के विकेट लिए। पाकिस्तान ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। यहां सईम अयूब शून्य पर आउट हुए। उन्हें फैसल शाह ने LBW किया। वे मिडिल स्टंप की फुलर लेंथ बॉल को लेग में मारना चाहते थे, लेकिन गेंद की स्पीड जज नहीं कर सके और बॉल सीधे पैड पर जा लगी।

एशिया कप में हारिश ने जड़ा पहला अर्धशतक

पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान को दूसरे ओवर में जीवनदान मिला। शकील अहमद के ओवर की आखिरी बॉल पर आमिर कलीम से फरहान का कैच ड्रॉप हो गया। इस ओवर से महज 2 रन आए। हालांकि 11वें ओवर की आखिरी बॉल पर आमिर कलीम ने ही उन्हें पवेलियन भेजा। फुल लेंथ की बॉल पर साहिबजादा फरहान ने सामने की तरफ शॉट खेला। यहां खुद की ही बॉलिंग में कलीम ने डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। फरहान 29 बॉल पर 29 रन बनाकर आउट हुए। 10वें ओवर में मोहम्मद हारिस ने छक्के के साथ फिफ्टी पूरी की। उन्होंने एशिया कप में पहला अर्धशतक लगाया। हारिस ने सूफियान की बॉल पर मिडविकेट पर छक्का मारा। उसके बाद अगली बॉल पर चौका मारने का प्रयास किया। यहां समय श्रीवास्तव के पास कैच करने का मौका था, लेकिन वे कैच नहीं कर सके। 11वें ओवर में पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाए। कप्तान सलमान आगा शून्य और मोहम्मद हारिस 66 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को आमिर कलीम ने लगातार बॉल पर पवेलियन भेजा। उन्होंने साहिबजादा फरहान (29 रन) को भी आउट किया।

दलीप ट्रॉफी फाइनल मुकाबला, मैच के तीसरे दिन साउथ जोन पहली पारी में 511 पर ऑलआउट, कप्तान ने खेली शतकीय पारी

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक साउथ जोन ने दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए। सेंट्रल जोन 233 रन से आगे है। चौथे दिन का खेल रविवार को सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

मैच के तीसरे दिन सेंट्रल जोन ने अपने 384/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम पहली पारी में 511 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ जोन ने पहली पारी में 149 रन बनाए थे। इस तरह सेंट्रल जोन को पहली पारी के आधार पर 362 रन की बढ़त मिली। यश राठौड़ (194) और कप्तान रजत पाटीदार (101) ने शतक लगाया। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर पहले दिन गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी।

साउथ जोन के दोनों ओपनर्स आउट

पहली पारी की तरह साउथ जोन की दूसरी पारी की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। टीम को पहला झटका 62 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर मोहित काले 38 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा विकेट 76 रन के स्कोर पर गिरा। तन्मय अग्रवाल 26 रन पर पवेलियन लौट गए। सेंट्रल जोन की तरफ से सारांश जैन और कुलदीप सेन को 1-1 विकेट मिला।

गुरजपनीत सिंह और अंकित शर्मा ने 4-4 विकेट झटके

सेंट्रल जोन की ओर से यश राठौड़ ने 194 और कप्तान रजत पाटीदार ने 101 रन की पारी खेली। उनके अलावा, दानिश मालेवार 53, ओपनर अक्षय वाडकर 22, शुभम शर्मा 6 और उपेंद्र यादव 5 रन बनाकर आउट हुए। साउथ जोन के लिए गुरजपनीत सिंह और अंकित शर्मा ने 4-4 विकेट झटके। एमडी निधेश और वासुकी कौशिक को 1-1 विकेट मिला।

फाइनल में जैस्मिन-नूपुर की दस्तक से मेडल पक्का

नई दिल्ली। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला बॉक्सरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जैस्मिन लैम्बोरिया और नूपुर श्योराण फाइनल में पहुंच गई हैं, वहीं मीनाक्षी ने भारत को चौथा मेडल सुनिश्चित कर दिया। जैस्मिन की क्लिनिकल जीत, फाइनल में पेरिस ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट से भिड़ंत जैस्मिन की क्लिनिकल जीत, फाइनल में पेरिस ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट से भिड़ंत महिला 57 किलोग्राम वर्ग में जैस्मिन लाम्बोरिया ने वेनेजुएला की ओमाइलीन अल्काला को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। वर्ल्ड कप गोल्ड मेडलिस्ट जैस्मिन पूरे मुकाबले में डोमिनेट किया। फाइनल में उनका मुकाबला पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट जूलिया स्जेरेमेटा से होगा। यह जैस्मिन का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल होगा।

नीरज चोपड़ा 17 सितंबर को भाला फेंकते नजर आएंगे

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 आज से जापान के टोक्यो शहर में शुरू हो रही है। टूर्नामेंट 13 से 21 सितंबर तक खेला जाएगा। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 17 सितंबर को क्वालिफिकेशन राउंड में नजर आएंगे, वे जापान पहुंच चुके हैं। टूर्नामेंट के लिए भारत ने अलग-अलग इवेंट्स के लिए 19 प्लेयर्स का स्क्वॉड जापान भेजा है।

- भारत के 19 प्लेयर्स के स्क्वॉड में युवा स्प्रिंटर अनिमेश कुजुर से भी मेडल जीतने की उम्मीद है। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस 200 मीटर स्प्रिंट इवेंट में क्वालिफाई करने वाले भारत के पहले ही प्लेयर हैं।
- वे भी 17 सितंबर को ही रेस करते नजर आएंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए नीरज चोपड़ा जापान पहुंच चुके हैं। वे 11 सितंबर को टोक्यो पहुंचे, उन्होंने 12 सितंबर से ही प्रैक्टिस भी शुरू कर दी।

गुरु समृद्धि हाउस ऑफ इन्वेस्टमेंट्स द्वारा टीपीएल में जीएस दिल्ली एसेस के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान पंकज नागपुरे, विजय पुसडेकर, लिएंडर पेस, श्री गुरुजी, अमित गांधी और सचिन नक्सेन।

चाइनीज ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराया लक्ष्य सेन भी सिंगल्स के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेन्स डबल्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई की जोड़ी को हराया। पहले गेम में सत्विक-चिराग ने चाइनीज ताइपे की जोड़ी को 21-17 से और दूसरे गेम में 21-15 से मात दी। सात्विक-चिराग की यह इस सीजन का पहला फाइनल है। इससे पहले उन्हें 6 सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीन के लियांग वेई कांग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फांग-चिह ली और फांग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप को तीन गेम वाले मुकाबले में हराया था। पहले गेम में उन्होंने मलेशियाई जोड़ी को 21-14 से आसानी से हरा दिया। लेकिन दूसरे गेम में वे थोड़े चूक गए और 20-22 से हार गए, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। फिर तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। वे 21-16 से जीतकर टूर्नामेंट सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मैच एक घंटे से ज्यादा समय तक चला।

श्राद्ध पक्ष में कैसे करें अष्टमी तिथि का श्राद्ध

श्राद्ध पक्ष में अष्टमी तिथि का श्राद्ध उन पूर्वजों के लिए किया जाता है, जिनका निधन अष्टमी तिथि को हुआ था। इस दिन विधिवत श्राद्ध कर्म करने से पितरों को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कुतुप काल के मुहूर्त में किए गए कर्मों का फल सीधे पितरों को मिलता है। इसी कारण श्राद्ध कर्म करने के लिए कुतुप काल को सबसे शुभ और महत्वपूर्ण समय माना जाता है।

अष्टमी श्राद्ध तिथि और मुहूर्त 2025 :

अष्टमी श्राद्ध तिथि : रविवार, सितंबर 14, 2025 को

अष्टमी तिथि का प्रारम्भ- 14 सितंबर 2025 को सुबह 05 :04 बजे से,

अष्टमी तिथि समाप्त- 15 सितंबर 2025 को सुबह 03 :06 बजे तक।

14 सितंबर 2025, रविवार : अष्टमी श्राद्ध अनुष्ठान का समय-

अपराह्न काल- दोपहर 01 :47 से 04 :15 तक।

अवधि- 02 घंटे 27 मिनट्स

कुतुप मुहूर्त- दोपहर 12 :09 पी एम से 12 :58 तक।

अवधि - 00 घंटे 49 मिनट्स

रौहिण मुहूर्त- दोपहर 12 :58 से 01 :47 तक।

अवधि- 00 घंटे 49 मिनट्स

अष्टमी श्राद्ध की विधि इस प्रकार है :

1. श्राद्ध की तैयारी

स्थान और समय : श्राद्ध कर्म हमेशा दोपहर के समय यानी कुतुप मुहूर्त में ही किया जाता है, क्योंकि यह समय पितरों के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

सामग्री: श्राद्ध के लिए आवश्यक सामग्री में गंगाजल, तिल, जौ, चावल, दूध, घी, शहद, खीर, पूरी, हलवा, और पितरों को पसंद आने वाले अन्य सात्विक व्यंजन शामिल होते हैं।

पवित्रता: श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को उस दिन पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र रहना चाहिए। श्राद्ध से एक दिन पहले से ही सात्विक भोजन करना शुरू कर दें।

2. श्राद्ध की विधि

1. स्नान: सबसे पहले सुबह उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।

2. तर्पण: एक थाली में जल, काला तिल, कच्चा दूध, जौ और तुलसी मिलाकर रखें। कुश (घास) की अंगूठी बनाकर अनामिका उंगली में पहनें। हाथ में जल, सुपारी, सिक्का और फूल लेकर तर्पण का संकल्प लें। फिर पितरों के नाम से तर्पण करें।

3. पिंडदान: चावल, जौ, और काले तिल को मिलाकर पिंड बनाएं। इन पिंडों को पितरों को अर्पित करें और उनसे अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगें।

4. पंचबलि: श्राद्ध के भोजन में से पांच हिस्से अलग निकालें और उन्हें गाय, कुत्ता, कौवा, चींटी और देवता यानी पंचबलि के लिए रखें।

5. ब्राह्मण भोजन: पंचबलि के बाद ब्राह्मणों को आदरपूर्वक भोजन कराएं। अष्टमी श्राद्ध में आठ ब्राह्मणों को भोजन कराने का विशेष विधान है। अगर यह संभव न हो, तो कम से कम एक ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराएं।

6. दक्षिणा और दान: ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद उन्हें दक्षिणा, वस्त्र और अन्य जरूरत की चीजें दान में दें।

7. पितृ मंत्र: श्राद्ध के बाद, 'ॐ पितृ देवतायै नमः' मंत्र का जाप करें और गीता के आठवें अध्याय का पाठ करें।

हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है हिंदी दिवस

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी विविधताओं में एकता के लिए जाना जाता है। यहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, जिनमें से हिंदी देश की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हर साल 14 सितंबर का दिन पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस दिन को मनाने के लिए खासतौर से 14 सितंबर को ही क्यों चुनी गई? इसके पीछे कि एक ऐतिहासिक कारण है,

भारत की स्वतंत्रता के बाद देश के सामने एक बहुत बड़ा सवाल था - राष्ट्रभाषा का। एक ऐसी भाषा की जरूरत थी जो पूरे देश को एक सूत्र में बांध सके। हिंदी, जिसे एक विशाल जनसंख्या द्वारा बोला और समझा जाता था, इस पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार थी। इसी कड़ी में, 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा में एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया। इस दिन, संविधान के निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 के तहत यह तय किया कि देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा होगी। इस फैसले ने हिंदी को देश की पहचान और प्रशासनिक कार्यों का केंद्र बिंदु बना दिया।इसी फैसले के कारण देश के तत्कालिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1953 में पहली बार 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की और तब से लेकर आज तक यह सिलसिला जारी है। हिंदी दिवस का मकसद सिर्फ एक ऐतिहासिक तारीख को याद करना भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई कारण हैं-

जागरूकता बढ़ाना- यह दिन देश के नागरिकों, खासतौर से सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में, संविधान में दिए गए हिंदी के स्थान और महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

भाषा का विकास और प्रोत्साहन- हिंदी दिवस हिंदी भाषा के विकास, उसके शब्द भंडार को और बढ़ाने और उसे और ज्यादा व्यावहारिक बनाने की कोशिश पर जोर देता है। हिंदी के लिए गर्व की भावना- दुनियाभर में हिंदी तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इस भाषा के लिए और जागरूक बनाने के लिए, खासकर जो लोग विदेश में रहते हैं, हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी दिवस के दिन देशभर में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्कूलों और कॉलेजों में भाषण, डिबेट, कविता पाठ, निबंध लेखन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। सरकारी कार्यालयों में एक सप्ताह तक चलने वाले राजभाषा सप्ताह या हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है।

विटामिन से भरपूर

नींबू पानी बनाने का सही तरीका

नींबू पानी बनाने का सही तरीका अपनाएं , ऐसे में सिर्फ एक ही चीज़ हमें राहत दिला सकती है और वह है नींबू पानी। क्योंकि इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाई जाती है। बड़ा गिलास नींबू पानी पीने के बाद ही मानो शरीर में एनर्जी आती है। हालांकि बहुत से लोग इसे बनाने का सही तरीका नहीं जानते है, जिसकी वजह से उनके शरबत में फीकापन रह जाता है। वहीं, भारत के कुछ हिस्सों में नींबू को 'लिम्बू' के नाम से भी जाना जाता है। आइये जानते हैं नींबू पानी बनाने का परफेक्ट तरीका और कुछ टिप्स और इसके स्वास्थ्य लाभ।

नींबू पानी के स्वास्थ्य लाभ

लू से लड़ने में मदद करता है नींबू पानी। नींबू पानी शरीर को पुनः हाइड्रेट करने में मदद करता है। वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी के बाद शरीर में नमक को बहाल करता है।

यह विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। नींबू पानी बनाने के लिए इंग्रीडिएंट्स, नींबू, चीनी, पानी, काला नमक

नींबू पानी कैसे बनाएं?

बड़े कटोरे या बड़े मापने वाले कप के ऊपर एक छलनी रखें। नींबू का रस छलनी के ऊपर से निकालना शुरू करें ताकि इसमें सारे बीज और गूदा समा जाएं। बीज और गूदा निकाल दें। नींबू के रस पाने में चीनी डालें। अब इसमें काला नमक डालें। अंत में पानी डालकर मिक्स करें। तब तक हिलाएं जब तक चीनी पानी में पूरी तरह घुल न जाए। सर्विंग गिलास में डालें और परोसें।

परफेक्ट नींबू पानी बनाने के लिए टिप्स

चीनी के टाइप के आधार पर, नींबू पानी का रंग अलग हो सकता है।

तुरंत ठंडा नींबू पानी पीने के लिए हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें।

ताजा नींबू का रस सबसे अच्छा विकल्प है। अगर मौजूदा वक्त में नींबू नहीं है, तो स्टोर से खरीदा हुआ बोतलबंद नींबू का रस भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आर्टिफिशियल रस से इसके स्वाद में अंतर आ सकता है।

ब्लैक शर्ट को कैसे सटाइल करें?

रिप्ड जींस के साथ ब्लैक शर्ट

आज के समय में हर कोई 'कूल डूड' दिखना चाहता है। ऐसे में ब्लैक शर्ट के साथ रिप्ड जींस आपको एक साथ टफनेस और कूलनेस देगी! फेडेड, डिस्ट्रेस्ड जींस और स्लिम-फिट ब्लैक शर्ट आपको जनरेशन-जेड का फील देगी। व्हाइट स्नीकर्स आपके लुक में चार चांद लगा सकते हैं। हालांकि यह कॉम्बिनेशन किसी फॉर्मल फंक्शन में कैरी नहीं कर सकते हैं। अच्छे दिखने वाले सफेद स्नीकर्स ऐड करें और चीजों को बेहतर बनाने और कम्पलीट जेन-जेड मूड में बाहर निकलने के लिए अपने आउटफिट को कॉम्पलीमेंट करें।

ब्लू जींस के साथ काली शर्ट

जब भी आप इस सिचुएशन में फंसे कि आज क्या कहना जाए, तब ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस आपके लिए सेविअर का काम कर सकती है। यह आउटफिट जितना क्लासिक है उतना ही फ्रेश भी। आप सिंपल भी नजर आते हैं । अगर आप एक्सरसाइज करने के शौकीन हैं और अच्छे खासे बाइशेप्स बना रखे हैं, तो हाफ स्लीव ब्लैक शर्ट और टाइट फिटिंग वाली ब्लू जींस के साथ आप किसी का भी ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं।

ग्रे ट्राउजर के साथ काली शर्ट

ग्रे पैंट के साथ ब्लैक शर्ट एक आकर्षक कॉन्ट्रास्ट लुक देता है। यह आउटफिट आपको स्लिम दिखने में भी मदद कर सकता है ।

ब्राउन पैंट के साथ काली शर्ट

यह कॉम्बिनेशन बेस्ट ब्लैक शर्ट के फॉर्मल आउटफिट्स में से एक माना जा सकता है। लेकिन आप इसे किसी पार्टी में भी पहनना चाहते हैं, तो एक टेक्सचर्ड ब्लैक शर्ट के साथ प्लेन सॉलिड ब्राउन पैंट कैरी करें जो आपकी शर्ट से एक शेड हल्का हो। यकीन मानिए इस आउटफिट के साथ आपको कई लोगों के बीच अलग निखरने से कोई नहीं रोक सकता है।

शॉर्ट्स के साथ प्रिंटेड ब्लैक शर्ट

अगर आप वैकेशन्स पर हैं तो प्रिंटेड ब्लैक शर्ट और शॉर्ट्स का कॉम्बिनेशन आपको एकदम कूल और मस्ती वाला फील देगा। इस आउटफिट के साथ अपने सबसे अच्छे सनग्लासेज कैरी करें, अपनी शर्ट के बटन खोलें और एंजॉय करने फ्लिप-फ्लॉप या जूते पहनकर निकल जाएं ।

ब्लेज़र के साथ ब्लैक शर्ट

किसी भी कॉन्ट्रास्ट कलर के ब्लेजर और ब्लैक शर्ट के कॉम्बो से ज्यादा अट्रेक्टिव आउटफिट कोई हो नहीं सकता ! कोशिश करें कि वह ब्लेजर अपनाएं जो पेस्टल शेड या हल्के रंग का हो और पैंट/जींस से भी अच्छे से मैच करता हो। उदाहरण के लिए, जब आप काले रंग में ओवरऑल मैचिंग ब्लैक शर्ट कॉम्बिनेशन पैंट पहनते हैं, तो फॉन कलर का ब्लेज़र आप पर बहुत अच्छा लगेगा। ब्राउन कलर के डर्बी शूज़ आपके लुक को पूरा करेंगे।

पीली चाय के क्या फायदे हैं

एंटीऑक्सीडेंट की गुणवत्ता

येलो टी में कैटेचिन और पॉलीफेनोल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करते हुए ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखे

इस चाय में पॉलीफेनोल्स होते हैं, ये एक ऐसा नेचुरल कंपाउंड है जो हार्ट फेलियर और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। इन एक अध्ययन के अनुसार इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट, एंटीथेरोजेनिक और एंटीहाइपरटेंशन इफेक्ट भी होते हैं, जो जोखिम को कम करते हैं।

वेट लॉस में प्रभावी है

कैफीन और कैटेचिन का कॉम्बिनेशन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में योगदान देता है, जो वेट मैनेजमेंट में आपकी मदद कर सकता है।

कैफीन ऊर्जा व्यय को बढ़ावा देने में मदद करता है, जबकि कैटेचिन वसा ऑक्सीकरण में सहायता कर सकता है।

अब जानें तैयार करने का तरीका :

- डेढ़ कप पानी उबालें और इसे मध्यम आंच पर दो मिनट के लिए छोड़ दें।
- यदि आप इसे अधिक मजबूत बनाना चाहते हैं, तो इसमें 5 ग्राम येलो टी या इससे अधिक भी मिला सकती हैं। अब 2 से 5 मिनट तक पानी को उबालें।
- अपनी पसंद का स्वीटनर डालें और मिठास को अपने स्वाद के अनुसार सेट करें।
- कुछ मिनटों के बाद इसे छान लें।
- आपकी खूबसूरत येलो टी तैयार है, इसे एंजॉय करें।

पर्सनल हाइजीन जरूर रखें

जब कोई महिला शिशु को जन्म देती है तो वह कई तरह से संक्रमण से घिरी रहती है। भले ही ये संक्रमण मां को नुकसान न पहुचाएं लेकिन शिशु की इम्युनिटी बहुत कमजोर होती है इसलिए उसे संक्रमित कर सकते हैं। इसलिए मां को हाइजीन का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। मां को जरूरत है कि वह बीच-बीच में अपने हाथों को धोती रहे, ब्रेस्ट फीड कराने से पहले अपने स्तनों को किसी गीले कपड़े से पोछें और अपने मुंह व आसपास भी सफाई रखें।

आराम है जरूरी

बच्चों और एडल्ट के सोने के समय में बहुत फर्क होता है। बच्चे अक्सर रात में उठते हैं और दिन में सोते हैं। जब बच्चा जगता है तो वह चाहता है कि उसकी मां उसके सामने हो और उसके साथ खेले। इसलिए कोशिश करें कि जब बेबी सो रहा हो तो आप भी उसी समय सोएं और उस दौरान अपने कामों की जिम्मेदारी घर के अन्य सदस्यों को दे दें।

पर्याप्त पोषण लें

प्रेगनेंसी और शिशु के जन्म के बाद आपके शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं जिससे आपको एक्स्ट्रा पोषण और न्यूट्रीशन लेने की जरूरत होती है। इसलिए संतुलित डाइट लें और खूब सारा पानी पीकर खुद को हाइड्रेट रखें।

मां बनने वाली हैं तो जरूर जान लें ये टिप्स

मां बनना हर महिला के लिए बहुत स्पेशल होता है। जो महिलाएं दूसरी बार मां बनती हैं उन्हें काफी हद तक एक्सपीरियंस होता है, लेकिन जो महिलाएं पहली बार मां बनती हैं उन्हें समझ नहीं आता है कि इतने बदलाव को वह किस तरह से मैनेज करें। इसलिए जरूरी है कि आप मां बनने से पहले कुछ जरूरी चीजें जान लें ताकि बाद में आपको किसी तरह की दिक्कत न हो।

टैनिंग से निजात पाने के टिप्स

स्किन केयर रूटीन में थोड़ा बदलाव करने का भी समय आ गया है। धूप में निकलने से टैनिंग की प्रॉब्लम काफी बढ़ने वाली है, जिसकी वजह से कुछ ही दिनों में हम अपने पसंदीदा स्लीवलेस कपड़े पहनने से झिझकने लगते हैं। आप सोच रहे होंगे कि धूप में तो हम सर्दियों में भी निकलते हैं, तो उस वक्त इतनी टैनिंग क्यों नहीं होती। ऐसा इसीलिए क्योंकि तब कोहरे की चादर बिच में धूप की तेज को थोड़ा कम कर देती है। आइये जानते हैं समर टैनिंग से निजात पाने के लिए कुछ होम ट्रीटमेंट्स के बारे में।

नींबू का रस और शहद का मास्क

नींबू का रस एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट है जो टैन को हल्का करने में मदद करता है। शहद त्वचा को नमी देता है जिससे स्किन सॉफ्ट होती है। एक कटोरी में एक नींबू निचोड़ें और 2 चम्मच शहद मिलाएं। इन्हें अच्छे से मिलाएं और टैन वाली जगह पर लगाएं। मास्क को लगभग 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे धो लें। जैसे ही आप त्वचा को तौलिए से पोंछेंगे आपको चमक मिलेगी।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा का इस्तेमाल लंबे समय से एक औषधीय पौधे के रूप में किया जाता रहा है और इसके बिना स्किनकेयर लगभग अधूरा है। यह स्किन को हाइड्रेटेड रखकर आराम पहुंचाने में मदद करता है और टैनिंग को भी कम करता है। प्रभावित क्षेत्रों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और लगभग 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसे गुनगुने पानी से धो लें।

टमाटर का मास्क

एक शोध पत्र के अनुसार, टमाटर विटामिन सी, ई और बीटा कैरोटीन से भरपूर होता है जो त्वचा को प्राकृतिक चमक देने और चमकदार बनाने में मदद करता है, जिससे उसका प्राकृतिक रंग सामने आता है। एक पके टमाटर को मुलायम गूदे में मिला लें और इसे अपनी त्वचा के टैन वाले क्षेत्रों पर लगाएं। धोने से पहले मास्क को लगभग 15-20 मिनट तक अपनी त्वचा पर लगा रहने दें।

बेसन और हल्दी स्क्रब

भारत में लगभग सभी स्किन प्रॉब्लम के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। ये सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद 'नुस्खों' में से एक है। बेसन त्वचा को एक्सफोलिएट करने और डेड मदद करता है।

हल्दी चमक बिखेरती है

हल्दी चमक बिखेरती है और रंग को निखारती है। एक कटोरे में दो बड़े चम्मच बेसन, दो चुटकी हल्दी पाउडर और थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे टैन वाली जगह पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में रगड़ें और सूखने के बाद धो लें।

कौन सा इनडोर प्लांट देता है खुशबू

अपने घर को खूबसूरत हर कोई दिखाना चाहता है। घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग अपने घर में फोटो फ्रेम, पेंटिंग्स लगाते हैं लेकिन पेड़-पौधों से भी आप अपने घर को बहुत अच्छा सजा सकते हैं। पेड़-पौधों को घर पर लगाने से घर का वातावरण शुद्ध रहेगा। साथ में आपका घर हरा-भरा भी दिखेगा। घर में पेड़-पौधे लगाने से घर का माहौल भी अच्छा रहेगा।अगर आप अपने घर में पेड़-पौधे लगाने का सोच रहे हैं तो आप अपने घर में कुछ ऐसे पौधे लगा सकते हैं जो घर की खूबसूरती बढ़ाने के साथ साथ घर में खुशबू भी बनाएं रखेंगे। आइए जानते हैं इन्ही पौधों के बारे में।

ऑर्किड

ऑर्किड का पौधा आप घर पर लगा सकते हैं। ऑर्किड का फूल बहुत ही सुंदर और आकर्षक होता है। इस पौधे को घर पर लगाने से घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

प्लूमेरिया

प्लूमेरिया का फूल देखने में काफी सुंदर होता है। इस पौधे पर पीले और नारंगी के फूल आते हैं, जिनमें से खुशबू भी काफी अच्छी आती है। इन फूलों की खुशबू काफी स्टॉग होती है ।

पीस लिली

पीस लिली सफेद रंग के फूल होते हैं जो शांति का प्रतीक होते हैं। पीस लिली को आप घर में लगा सकते हैं। पीस लिली को घर में लगाने से घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा।

कैलेडियम

कैलेडियम के पौधे के पत्ते बाकी पौधों के पत्ते से काफी अलग होते हैं। इस पौधे के पत्ते पर गुलाबी, सफेद और हरे रंग से डिजाइन बना होता है। ऐसे में आप कैलेडियम को अपने घर पर रख सकते हैं।

लैवेंडर

लैवेंडर के फूल घर में सजाने के लिए बेस्ट चॉइस है।लैवेंडर के फूलों में से काफी अच्छी खुशबू आती है। इन्हे घर में लगाने से आपका मूड भी फ्रेश रहेगा।

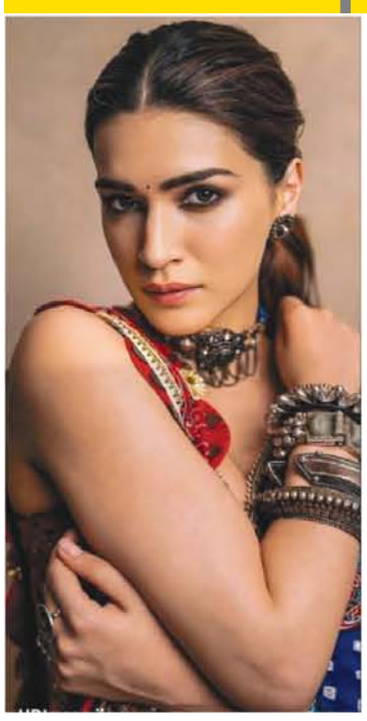

शाहिद ने शुरू की 'कॉकटेल 2' की शूटिंग

पोस्ट साझा कर दी जानकारी कृति-रश्मिका भी आएंगी नजर

साल 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' ने अपनी कहानी, म्यूजिक और स्टारकास्ट से दर्शकों का दिल जीता था। अब निर्देशक होमी अदजानिया इसका सीक्वल लेकर लौट रहे हैं, जिसमें इस बार नजर आएंगे शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना। 'कॉकटेल 2' को लेकर जब से अपडेट आया है तब से ही इन सितारों के फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

शाहिद कपूर का नया अंदाज

शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- नई शुरुआत!! कॉकटेल 2। इस एक पोस्ट ने फिल्म को लेकर फैन्स में हलचल मचा दी है। शाहिद ने इशारों-इशारों में बता दिया है कि फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है।

कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की एंट्री

फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना भी नजर आने वाली हैं। कृति सेनन इससे पहले भी शाहिद के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में दोनों के काम को पसंद किया गया था। वहीं, रश्मिका मंदाना अपनी ताजगी और चार्म से दक्षिण भारत के साथ-साथ हिंदी दर्शकों के बीच भी लोकप्रियता हासिल कर चुकी हैं। तीनों कलाकारों का एक साथ आना फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में संगीतमय कार्यक्रम संपन्न

प्रभादेवी स्थित रवींद्र नाट्य मंदिर के मुख्य सभागार में 12 सितंबर को भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में याद-ए-बिस्मिल्लाह नामक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे। यादें बिस्मिल्लाह श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य के सांस्कृतिक मंत्री,एडवोकेट आशीष शेलार, सुप्रसिद्ध बनारस घराने की गायिका,पद्मश्री डॉ. सोमा घोष ने द मेमोरियल भारत रत्न बिस्मिल्लाह खां सम्मान तबला मार्तंड पद्मा श्री पंडित सुरेश तलवलकर को चांदी के शहनाई से किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन मधु मुरच्छना संस्था द्वारा किया गया था। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक कार्य मंत्री, विधायक एड. आशीष शेलार उपस्थित रहे। उनके साथ विशेष अतिथि के रूप में कवयित्री डॉ मंजू लोढ़ा, सदगुरु दयाल और भाजपा प्रवक्ता विनोद शेलार मंच पर मौजूद रहे। इस आयोजन में प्रमुख रूप से अभिनेता गौरव प्रतीक, मालती जैन कन्हैया लाल जोशी, संगीतकार और संगीत निर्देशक विवेक प्रकाश, समाज सेवक राजेश श्रीवास्तव, शारदा शर्मा, कवि संजय मिश्रा, संगीतकार सत्यम आनंद, प्रेम प्रकाश दुबे, शिवालया के प्रतीक उपाध्याय, इंडियन ऑयल के नितिन गुप्ता और संगीत निर्देशक विशाल शिलके उपस्थित रहे। संगीत प्रस्तुतियों में बनारस घराने की प्रसिद्ध गायिका पद्मश्री डॉ. सोमा घोष ने अपनी मनमोहक गायन शैली से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में ओंकार अग्निहोत्री,अक्षरा व्यास और ऋषिकेश कर्मकार ने ट्रियो के रूप में अपनी प्रस्तुति दी। इनके साथ संगत पर नजीश जब्बार हुसैन खान, नवीन ओबेरॉय और राहुल मिलन रहे। कार्यक्रम में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पर आधारित एक डॉक्यू-ड्रामा भी प्रस्तुत किया गया, जिसका निर्देशन शुभांकर घोष ने किया। संचालन आनंद सिंह ने संभाला। यह कार्यक्रम भारतरत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की स्मृति में किया गया, जिसमें उनके योगदान को याद करके सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

'दीपिका पादुकोण को धोखा नहीं दिया...'

रणबीर कपूर के सपोर्ट में नीतू ने किया था चौंकाने वाला खुलासा

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि रणवीर कपूर और दीपिका पादुकोण ने इंडस्ट्री में आने के बाद एक-दूसरे को डेट किया था। हालांकि, एक अच्छे खासे रोमांटिक रिलेशन के बाद उनका रिश्ता ज्यादा दिनों तक चल नहीं पाया और कड़वाहट के साथ खत्म हो गया। दीपिका ने रणबीर को उन्हें चीट करते हुए पकड़ा।

दीपिका को डेट कर रहे थे रणबीर

ये बात भी सबको पता है कि नीतू कपूर दीपिका को बिल्कुल पसंद नहीं करती थीं। रणबीर की मां नीतू ने खुलासा किया था कि जब उनका बेटा दीपिका को डेट कर रहा था, तब वह वैसा नहीं था जैसे उसे होना चाहिए।

क्यों टूटा था रिलेशन?

नीतू कपूर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उसकी इतनी गर्लफ्रेंड्स रही होंगी। उसकी सिर्फ एक ही गर्लफ्रेंड रही है, वो है दीपिका। मुझे लगता है शायद उनके रिश्ते में कुछ कमी थी और शायद वो उस रिश्ते में खुद को भूल चुका था इसलिए उसे रिश्ता तोड़ देना चाहिए था। हर किसी का रिश्ता होता है और वो आगे बढ़ जाते हैं। अगर रिश्ता परफेक्ट होता, तो वो रिश्ता नहीं तोड़ते। एक तरफ जहां नीतू का कहना था कि रणबीर और दीपिका का रिश्ता किसी कमी की वजह से खत्म हुआ। वहीं फाइटर एक्ट्रेस पहले ही खुलासा कर चुकी हैं कि ब्रह्मास्त्र एक्टर ने उन्हें कई बार धोखा दिया था। कॉस्मोपॉलिटन के एक पुराने इंटरव्यू में दीपिका ने अपने दिल टूटने की बात कही थी।

एक एक्टर के चक्कर में अनुष्का और प्रियंका के बीच हो गई थी बहस

प्रियंका चोपड़ा और अनुष्का शर्मा अभिनय की दुनिया की सबसे उम्दा अदाकाराओं में से एक हैं। दोनों ने ही भले एक-दूसरे के साथ ज्यादा स्क्रीन शेयर न किया हो, लेकिन उनसे जुड़ा एक किस्सा बहुत ही दिलचस्प है। एक बॉलीवुड अभिनेता ने रिवील किया है कि उनके चक्कर में यह दोनों अभिनेत्रियां के बीच बहस हो गई थी।

यह अभिनेता हैं द बंगाल फाइल्स फेम दर्शन कुमार। दर्शन ने अनुष्का शर्मा के साथ फिल्म एनएच10 में साथ काम किया था। फिल्म में वह विलेन बने थे। वहीं, प्रियंका चोपड़ा के साथ दर्शन हिट मूवी मैरी कॉम कर चुके हैं। वह देसी गर्ल के पति के किरदार में नजर आए थे। वह दोनों फिल्मों की शूटिंग एक साथ ही कर रहे थे।

दर्शन ने एक हालिया इंटरव्यू में रिवील किया कि कैसे प्रियंका और अनुष्का के विचार उनको लेकर कितने अलग थे। प्रियंका जहां उन्हें स्वीट समझती थीं, वहीं अनुष्का उन्हें घमंडी मानती थीं। एक बार सेट पर दोनों मिले और उनकी आपस में बहस हो गई। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में दर्शन ने बताया कि अनुष्का और प्रियंका अपनी फिल्म की शूटिंग के दौरान मिलीं और मेरे बारे में बातें कीं। प्रियंका ने कहा कि दर्शन बहुत प्यारा, मेहनती और अच्छा एक्टर है। अनुष्का बोली, 'कहां?' मैंने उससे ज्यादा घमंडी इंसान नहीं देखा। उन्होंने मुझे लेकर बहस की। उन दोनों के साथ मैं उस समय अपने किरदार में था। मैं उस समय सतबीर था, मैंने अनुष्का को कभी नमस्ते नहीं किया। क्लाइमेक्स के बाद मैंने उन्हें अपना परिचय दिया।

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग, ताबड़तोड़ चली गोलियां

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा दिशा पाटनी के बरेली वाले घर से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां सिविल लाइन्स इलाके में स्थित उनके घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने एक्ट्रेस के घर पर कई राउंड गोलियां चलाईं. इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बरार गैंग ने सोशल मीडिया पर ली है. जानकारी के मुताबिक जिम्मेदार गैंगस्टरों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया है कि उन्होंने यह हमला संत प्रेमानंद महाराज के अपमान का बदला लेने के लिए किया गया है. इस हमले के बाद हर कोई हैरान रहे गया है. बरेली पुलिस इस मामले की अच्छे तरीके से जांच कर रही है.

इस पूरे मामले को लेकर बरेली पुलिस ताबड़तोड़ एक्शन में आ गई है. पुलिस के मुताबिक हमलावरों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. अच्छी बात ये कि इस फायरिंग की घटना से किसी को कोई चोट नहीं आई है. एक्ट्रेस के घरवाले पूरी तरह सेफ हैं. दवा किया जा रहा है कि पिछले दिनों दिशा पाटनी की छोटी बहन खुशबू पाटनी ने प्रेमानंद महाराज को लेकर टिप्पणियां की थी, जिसकी वजह से यह घटना हुई है.

गैंगस्टर ने हमले की ली जिम्मेदारी

वहीं इस पूरे मामले को लेकर गैंगस्टर रोहित गोदारा और गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि, (जय श्री राम??) (राम राम सभी भाईयो को।??) मैं वीरेन्द्र चारण, महेन्द्र सारण (डेलाणा). भाइयों आज ये जो खुशबू पटानी/दिशा पटानी (बॉलीवुड एक्ट्रेस) के घर पर (विला नम्बर 40, सिविल लाइन्स बरेली, यू.पी.) में फायरिंग हुई है, ये हमने करवाई है. इसने हमारे पूज्य संत (प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज) का अपमान किया था.

एक नंबर की किताबी कीड़ा हैं श्वेता तिवारी ...

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी जगत तक अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुकीं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरती और फिटनेस के अलावा अपनी लाइफस्टाइल को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं, लेकिन हाल ही में श्वेता की तस्वीरों से एक ऐसी खूबी के बारे में पता चला है, जिसके बारे में जानकर उनके फैंस हैरान रह गए. श्वेता ने जो तस्वीरें शेयर की उन्हीं में छिपा है ये राज... तो चलिए जानते हैं, वो क्या खास बात है.

ग्लैमरस क्वीन श्वेता तिवारी का किताबों से खास कनेक्शन

हाल ही में श्वेता तिवारी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वो किताबों के साथ नजर आ रही हैं, और उन किताबों को पढ़ते दिखाई दे रहीं हैं, इन फोटोज से इतना तो साफ है, कि एक्ट्रेस अपनी फिटनेस और एक्टिंग के साथ-साथ किताबें पढ़ने की भी शौकीन हैं, वो इंस्टाग्राम स्टोरी पर अकसर किताबें पढ़ती हुईं, तस्वीरें शेयर करती रहतीं हैं. हाल ही में श्वेता की इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर हुईं हैं, जिसमें वह एक किताब पढ़ते हुए नजर आ रही हैं. फोटो में एक्ट्रेस शीफॉन की लाइट ग्रीन फ्लोरल साड़ी पहने हुईं दिखाई दे रही हैं, जिसमें उन्होंने ओपन हेयर के साथ मिनिमल मेकअप किया है, उनकी ये तस्वीरें फैंस को दीवाना बना रही हैं. श्वेता तिवारी जहां अपनी फिटनेस को लेकर जानी जाती हैं, और अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज करती हैं, वहीं वह हमेशा से ही एक बेहतरीन रीडर भी रहीं हैं, उन्होंने कई इंटरव्यू में बताया है, कि उन्हें पढ़ने का शौक हैं.

किताबों को लेकर श्वेता ने कही ये खास बात

उन्होंने कई बार बताया है, कि जब वह खाली होती हैं, तो वह किताबें पढ़ना पसंद करती हैं. इसी वजह से वो ज्यादातर अपने साथ कोई न कोई किताब जरूर रखती हैं, ताकि फ्री टाइम पर वो पढ़ सकें, श्वेता का मानना है, कि बुक्स पढ़ने से दिमाग खुलता है, और उसे नए-नए थॉट्स आते हैं.

Saiyaara की सफलता के बाद भी अनीत पड्डा को किस बात की सता रही चिंता?

सैयारा, 2025 की एक ऐसी फिल्म जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के साथ लोगों का दिल भी जीता। एक दिल छू लेने वाली कहानी के साथ अहान और अनीत की एक्टिंग दर्शकों को खूब भाई। फिल्म की सफलता के बाद अहान और अनीत ने रातोंरात सफलता का स्वाद चखा और स्टारडम को महसूस किया। हालांकि अनीत अभी भी ये मानती हैं कि स्टारडम खुशी के साथ चिंता भी लेकर आती है।

क्यासैयारा से मिली सफलता अनीत के लिए काफी मायने रखती हैं लेकिन क्या सफलता सिर्फ खुशी लेकर आती है या और भी कई चीजें हैं जिनसे सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'इस फिल्म से तीन साल पहले मैं बहुत चिंता में थी'। उन्होंने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कबूल किया और कहा, 'मैं पढ़ाई करने दिल्ली गई थी, मुझे पूरी तरह यकीन नहीं था कि मैं इंडस्ट्री में कहीं भी सफल हो पाऊंगी या नहीं।' साल की सबसे चौंकाने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक, सैयारा तक उन्हें यकीन नहीं था कि एक्टिंग भी उनकी दुनिया हो सकती है। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो इस फिल्म से मुझे एक्टिंग में मजा आने लगा'। इस फिल्म की सफलता के साथ, पड्डा की दुनिया पलट गई।

भारतीय संस्कृती को समर्पित
Deoyani Movies
यह फिल्म आपको दिल की गहराइयों तक ले जाएगी।

||मातृ देवो भवः||
BHOJPURI FILM
*आम्रपाली दुबे (गंगा) निर्माता एवं निर्देशक- मच्छिंद्र चाटे
Subscribe 'Deoyani Movies Bhojpuri YouTube Channel' and watch the songs of 'Matru Devo Bhavah' movie.
Scan this QR code to subscribe YouTube Channel
'देवयानी मुव्हीज भोजपुरी युट्यूब चॅनेल' सबस्क्राईब करें और 'मातृ देवो भवः' फिल्म के गीत सुनें।
TRADE ENQUIRY : 9987016545 / 8108038238

सेलेना गोमेज ने मंगेतर संग शेयर किए शादी के प्लान्स

सगाई में पहनाई थी इतने मिलियन डॉलर की रिंग?

बेनी ब्लैंको के साथ सेलेना गोमेज कब करेंगी शादी?

सेलेना गोमेज हाल ही में अपने अपकमिंग शो के प्रमोशन के लिए को-स्टार स्टीव मार्टिन और मार्टिन शॉर्ट के साथ जिमी फॉलन के 'द टुनाइट' शो में खास मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान जब जिमी ने उनसे उनके वेडिंग प्लान्स के बारे में पूछा, तो अपनी एक्साइटमेंट व्यक्त करते हुए सेलेना ने कहा, रमैं अपने मंगेतर बेनी ब्लैंको से आई डू (I DO) बोलने के लिए बहुत उत्सुक हूं। ये सब शानदार है और मैं बहुत ही लकी हूं। चीजें बहुत ही अच्छी तरह से जा रही हैं।

सेलेना को पहनाई थी 1 मिलियन डॉलर की रिंग?

सेलेना गोमेज और बेनी ब्लैंको ने एक-दूसरे को साल 2023 में डेट करना शुरू किया था और 2024 में उनकी सगाई हो गई थी। TMZ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सगाई के एक साल बाद अब यह कपल कैलीफोर्निया के मोंटेसिटो में धूमधाम से शादी करेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का हुआ शुभारंभ न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर के प्रशासनिक न्यायमूर्तिअजीत कुमार तथा जनपद न्यायाधीशमलखान सिंह ने शनिवार को जिला न्यायालय सभागार में दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिला जजमलखान सिंह ने प्रशासनिक न्यायमूर्ति का पौधा भेंटकर स्वागत किया और लोक अदालत की पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि लोक अदालत न्यायिक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसके माध्यम से वादों का त्वरित और मैत्रीपूर्ण निस्तारण संभव होता है।

कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी और महामंत्री अजीत नागर समेत कई न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक अदालत के शुभारंभ के बाद न्यायमूर्ति अजीत कुमार और जिला जज मलखान सिंह ने न्यायालय परिसर में लगाए गए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का निरीक्षण किया। इनमें कौशल विकास केंद्र, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर और बैंकों की जन-धन, मुद्रा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देने वाले स्टॉल शामिल थे। न्यायमूर्ति ने लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की प्रेरणा दी।

इसके बाद न्यायमूर्ति ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का शुभारंभ किया, जिसमें सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के क्रम में न्यायमूर्ति अजीत कुमार और जिला जज मलखान सिंह ने जिला कारागार का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार परिसर में वृक्षारोपण किया और कैदियों के लिए उपलब्ध शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं पुनर्वास कार्यक्रमों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जेल को केवल दंडात्मक संस्था न मानकर सुधार और पुनर्वास का केंद्र बनाया जाए।

इसके बाद न्यायमूर्ति ने अपर प्राइमरी विद्यालय लुक्सर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रों से आत्मीय संवाद किया और उनके अध्ययन व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी ली। न्यायमूर्ति ने मिड-डे मील, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष और कक्षाओं की स्थिति देखी तथा स्वच्छता, पेयजल और शौचालय व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय समाज की नींव हैं, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव (पूर्वाकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्र मोहन श्रीवास्तव, एडिशनल सीपी अजय कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, जिला जेल अधीक्षक बृजेश, एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर दुर्गेश सिंह, बीएसए राहुल पवार सहित जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा मीडिया क्लब अध्यक्ष ने पत्रकारों के हितार्थ समस्याओं को लेकर रक्षामंत्री से की चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। रक्षा मंत्री के दिल्ली स्थित आवास पर हुई मुलाकात के दौरान नोएडा की कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों और सामाजिक संगठनों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों को लेकर चर्चा की गई।

रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने नोएडा में पत्रकारों की सुरक्षा और अन्य मुद्दों को लेकर भी बातचीत की। वहीं, पिछले दिनों मीडिया क्लब में फोटो जर्नलिस्ट द्वारा लगाई गई फोटो प्रदर्शनी की जानकारी भी रक्षा मंत्री के साथ साझा की गई।

इसके अलावा पत्रकारों के हित में चलाई जा रही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी नोएडा के पत्रकारों को मिले, इसका अनुरोध रक्षामंत्री से किया गया। मुलाकात के दौरान मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने रक्षामंत्री को मीडिया क्लब में आने का आमंत्रण भी दिया, जिस पर रक्षामंत्री ने शीघ्र ही मीडिया क्लब आने का आश्वासन दिया।

13वीं मंजिल से गिरे मां-बेटा दोनों की मौके पर दर्दनाक मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित ऐस सिटी सोसाइटी में शनिवार को सोसाइटी की 13वीं मंजिल की बालकनी से नीचे गिरने के कारण मां और बेटे की दर्दनाक मौत हो गई है। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई पुलिस ने मां और बेटे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

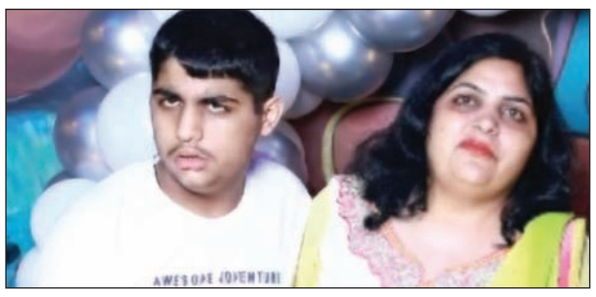

थाना बिसरख पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित ऐस सिटी सोसाइटी में तेरी मंजिल से एक महिला तथा उसका 11 वर्षीय बेटा बालकनी से नीचे गिर गए पुलिस ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस थे जांच की तो पता चला कि 13वें फ्लोर से नीचे गिरकर करने वाली महिला का नाम साक्षी चावला पत्नी दर्पण चावल 37 वर्ष तथा उनके पुत्र दक्ष चावला उम्र 11 वर्ष है। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना बिसरख पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि साक्षी का बेटा दक्ष मानसिक रूप से विक्षिप्त था जिसके कारण परिवार काफी लंबे समय से परेशान चल रहा था सोसाइटी निवासियों के मुताबिक अचानक महिला और बच्चा उपरी मंजिल से नीचे गिरे और कुछ ही सेकंड में उनकी मौत हो गई लोगों ने सुरक्षा कर्मियों के माध्यम से पुलिस को सूचना दी पुलिस घटना को आत्महत्या और हादसे से दोनों एंगल से जांच कर रही है।

नोएडा में हिंदी साहित्य भारती ने मनाया हिंदी दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। हिंदी साहित्य भारती, जिला गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में शनिवार को हिंदी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष बाबा कानपुरी के आवास, सदरपुर सेक्टर-45 में आयोजित हुआ। इस अवसर पर हिंदी भाषा और संस्कृति पर चर्चा, मां भारती को स्वैच्छिक सहयोग समर्पण तथा कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी दिवस की महत्ता पर चर्चा से हुई। वक्ताओं ने कहा कि हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला यह दिन भारत की सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि विविधताओं को एक सूत्र में पिरोने वाली शक्ति है। महात्मा गांधी ने 1918 में हिंदी साहित्य सम्मेलन में इसे जनमानस की भाषा बताते हुए राष्ट्रभाषा बनाने पर बल दिया था। वक्ताओं ने याद दिलाया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिंदी को केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा घोषित किया था, जिसे संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस तिथि का चयन व्यौहार राजेंद्र सिंह के जन्मदिन के सम्मान में किया। 1953 से हिंदी दिवस औपचारिक रूप से मनाया जाने लगा।

कार्यक्रम में डॉ. रामनिवास शुक्ला ने हिंदी की सांस्कृतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। महामंत्री डॉ. पुष्पेंद्र कुमार शर्मा ने कविता पाठ के माध्यम से हिंदी की भावनात्मक महत्ता रेखांकित की। जिला अध्यक्ष विनोद तोमर ने इसे राष्ट्रीय एकता का सूत्र बताया। आर.एन. श्रीवास्तव, टी.एन. गोविल, विनोद शर्मा, विनय विक्रम सिंह, किसलय शर्मा, उद्धव विश्वकर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अटल मुरादाबादी और अखिलेश गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। श्रद्धा समर्पण कार्यक्रम के अंतर्गत मां भारती को स्वैच्छिक सहयोग समर्पित किया गया। कवि गोष्ठी में विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी की महत्ता को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन हिंदी को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

ब्रज में रहकर अब करूंगा ब्रजवासियों की सेवा : पं. रविकांत मिश्रा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रह चुके भारतीय जनता के वरिष्ठ नेता तथा प्रमुख समाजसेवी पंडित रविकांत मिश्रा का स्पष्ट कहना है कि वे अब कान्हा की नगरी ब्रज में रहकर ब्रजवासियों की सेवा करेंगे द्य यही वजह है कि पिछले कई वर्षों से वह हर सप्ताह ब्रज में रहकर पूरा दिन वहां के सामाजिक संगठनों तथा वहां की आम जनता एवं आध्यात्मिक गुरुओं के साथ बिताते हैं तथा उनके सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी करते हैं द्य ब्रज की भूमि के प्रति उनका समर्पण देखकर ऐसा लगता है कि उनका तन तो नोएडा में रहता है लेकिन मन ब्रज की गलियों में ही विचरण करता रहता है। इसी क्रम में उन्होंने देश की प्रख्यात कथावाचिका जया किशोरी से भेंट की तथा उनके साथ विभिन्न आध्यात्मिक एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी की द्य

ब्रज में उनके निरंतर भ्रमण करने तथा वहां के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करने के कारण अब वहां की जनता भी पंडित रविकांत मिश्रा से कहने लगी है कि वे स्थायी तौर पर यहां आकर राजनीति के माध्यम से ब्रजवासियों की सेवा करें तथा उनकी समस्याओं का समाधान करें।

पंडित रविकांत मिश्रा ने इस अवसर पर अपना संकल्प दोहराया कि वे राजनीति को केवल सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम मानते हुए प्रदेश की जनता की आवाज़ को बुलंद करने के लिए समर्पित रहेंगे।

कथावाचिका जया किशोरी से भेंट के माध्यम से पंडित रविकांत मिश्रा ने अपने आगामी जनसंपर्क अभियान को और अधिक ऊर्जा व दिशा प्रदान की है। वे शीघ्र ही क्षेत्र में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क यात्रा प्रारंभ करेंगे, जिसमें समाज के सभी वर्गों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने का प्रयास किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का होगा भव्य स्वागत : पिंकी पंडित

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक कल दोपहर शाहदरा गढ़ी गांव पहुंचेंगे। यहां वे प्राथमिक विद्यालय में जाकर बच्चों से संवाद करेंगे। गांव के निवासी एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के सहायक सचिव पिंकी पंडित ने बताया कि उपमुख्यमंत्री के आगमन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि बच्चों से बातचीत के साथ ही उपमुख्यमंत्री के आने से गांव के विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है। पिंकी पंडित ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उपमुख्यमंत्री का भव्य स्वागत करें और इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बनाएं।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक आज पहुंचेंगे शाहदरा गढ़ी गांव, करेंगे बच्चों से संवाद

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक आज दोपहर शाहदरा गढ़ी गांव पहुंचेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी ग्रेटर नोएडा मंडल के उपाध्यक्ष कपिल भाटी ने दी। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री गांव स्थित प्राथमिक पाठशाला में जाएंगे और वहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद करेंगे। इस दौरान स्कूल के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। कपिल भाटी ने कहा कि गांववासियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सीधे लोगों के बीच आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में उपमुख्यमंत्री के स्वागत की विशेष तैयारियां की गई हैं। भाटी ने सभी ग्रामीणों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उपमुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत करें।